सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

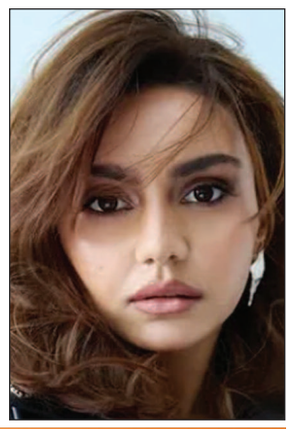

शेफाली वमार्की आईसीसी टी20आई रैंकिंग में बड़ी छलांग... पेज: 7

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 262 | बुधवार 31 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अभिनेता विजय की सियासत पर अन्नाद्रमुक का तंज

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (अन्नाद्रमुक) के वरिष्ठ नेता सेल्लूर राजू ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के अभिनेता विजय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि विजय का हाल कमल हासन जैसा न हो, जिन्होंने सिर्फ एक सीट के लिए सत्ताधारी द्रमुक के साथ गठबंधन किया था। राजू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, "कई अभिनेताओं ने राजनीतिक दल बनाए हैं। कमल हासन ने भी भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा करते हुए एक पार्टी शुरू की थी, लेकिन आज उन्होंने एक सीट के लिए द्रमुक के साथ गठबंधन कर लिया है। मुझे उम्मीद है कि विजय का हाल भी ऐसा न हो।" विजय के इस बयान पर कि विधानसभा चुनाव का मुकाबला सिर्फ उनकी पार्टी और द्रमुक के बीच है, अन्नाद्रमुक नेता ने जवाब देते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर उनकी उपस्थिति का फैसला सिर्फ जनता ही कर सकती है।

पीएम मोदी ने 2025 को बताया नागरिक-केंद्रित सुधारों का महावर्ष, बोले- रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार भारत

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 2025 को भारत के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष बताया और कहा कि देश ने कराधान, श्रम, व्यापार, ऊर्जा, शिक्षा और ग्रामीण रोजगार सहित कई क्षेत्रों में सुधारों के साथ सुधार की एक्सप्रेस में सवार हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने सुधार की रफ्तार पकड़ ली है! 2025 में विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं, जिन्होंने हमारी विकास यात्रा को गति प्रदान की है। ये सुधार एक विकसित भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों को भी बल देंगे। एक विस्तृत लिंक्डइन पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाया गया है, जो पिछले 11 वर्षों की प्रगति पर आधारित है। उन्होंने लिखा, हमने संस्थानों का आधुनिकीकरण किया,

शासन को सरल बनाया और दीर्घकालिक, समावेशी विकास की नींव को मजबूत किया।ह्व प्रमुख उपायों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में परिवर्तन शामिल थे, जिसमें विवादों को कम करने और अनुपालन में सुधार लाने के लिए 5% और 18% की सरल दो-स्तरीय संरचना लागू की गई। मध्यम वर्ग के करदाताओं को राहत मिली क्योंकि 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले व्यक्तियों को आयकर नहीं देना होगा, जबकि 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को आयकर अधिनियम, 2025 से प्रतिस्थापित कर दिया गया। लघु और मध्यम व्यवसायों को भी लाभ हुआ क्योंकि लघु कंपनियों की परिभाषा का विस्तार करके इसमें 100 करोड़ रुपये तक के कारोबार वाली फर्मों को शामिल किया गया, जिससे अनुपालन आसान हुआ और लागत में कमी आई। सरकार ने प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और सेवाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से बीमा क्षेत्र में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी। पूंजी बाजारों में, निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने, शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के माध्यम से अनुपालन को सरल बनाने के लिए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक पेश किया गया। पांच नए समुद्री कानून पारित किए गए, जिनसे रसद व्यवस्था का आधुनिकीकरण हुआ और लागत में कमी आई। जन विश्वास पहल के तहत, अनावश्यक अपराधीकरण को समाप्त करने के लिए 71 पुराने कानूनों को निरस्त किया गया। श्रम सुधारों के तहत 29 पुराने कानूनों को चार आधुनिक श्रम संहिताओं में विलय कर दिया गया, जिससे सामाजिक सुरक्षा का विस्तार हुआ, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हुई और महिला कार्यबल की भागीदारी को प्रोत्साहन मिला। भारत ने न्यूजीलैंड, ओमान और ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते किए और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लागू किया, जिससे बाजार पहुंच और निवेश के अवसरों में वृद्धि हुई। परमाणु ऊर्जा का जिम्मेदारीपूर्वक विस्तार करने, निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने और देश की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शांति अधिनियम पेश किया गया।ग्रामीण रोजगार गारंटी को ग्राम विकास अधिनियम, 2025 के तहत 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है ताकि गांवों के बुनियादी ढांचे और आजीविका को मजबूत किया जा सके। शिक्षा के क्षेत्र में, यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई जैसे कई निकायों के स्थान पर एक एकल उच्च शिक्षा नियामक की योजना बनाई जा रही है, जिससे संस्थागत स्वायत्तता, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

देश को 'सुधारों की एक्सप्रेस ट्रेन' पर सवार बताया

प्रधानमंत्री मोदी ने 2025 को भारत के लिए 'परिवर्तनकारी सुधारों का वर्ष' बताया, जिसमें देश को 'सुधारों की एक्सप्रेस ट्रेन' पर सवार बताया गया है। इन व्यापक सुधारों ने कराधान, श्रम, व्यापार, शिक्षा और ग्रामीण रोजगार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में गति पकड़ी है,

तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके में क्या लफड़ा हो गया? यूपी का जिक्र, कर्ज की फिक्र ने बढ़ाया सियासी पारा

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु की कर्ज की स्थिति को चिंताजनक बताने वाले विवादित एआईसीसी नेता प्रवीण चक्रवर्ती पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगाते हुए डीएमके के शीर्ष नेतृत्व ने तमिलनाडु एनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथोगई के समक्ष यह मुद्दा उठाया। सेल्वपेरुंथोगई ने चक्रवर्ती की टिप्पणियों की कड़ी निंदा की और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। पूर्व मंत्री एस. थिरुनावुक्करसर, सांसद ज्योतिमणि और सांसद शशिकांत सेंथिल जैसे कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी चक्रवर्ती की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है। चक्रवर्ती ने कहा था, 'तमिलनाडु पर सभी राज्यों में सबसे अधिक बकाया कर्ज है। 2010 में उत्तर प्रदेश पर तमिलनाडु के कर्ज

से दोगुने से भी अधिक कर्ज था। अब तमिलनाडु पर उत्तर प्रदेश से भी अधिक कर्ज है।' कुछ लोग वर्तमान स्थिति की तुलना 1996 की स्थिति से करते हैं, जब राज्य में पार्टी का विभाजन हुआ था। चक्रवर्ती के बयान पर पलटवार करते हुए सेल्वपेरुंथोगई ने कहा कि एआईसीसी नेता राज्य में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं थिरुनावुक्कारसर ने भविष्य में केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए गठबंधन की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि, कुछ कांग्रेस नेता पार्टी हाई कमांड को डीएमके से संबंध तोड़ने और विजय की तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने की सलाह दे रहे हैं। इससे पहले, चक्रवर्ती, जिनका राज्य कांग्रेस में भी जमीनी स्तर पर कोई समर्थन नहीं है, ने विजय से मुलाकात कर उनसे लंबी बातचीत करके विवाद खड़ा कर दिया था। यह भी कहा जा रहा है कि चेन्नई में मौजूद कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने टीवीके के कुछ नेताओं से मुलाकात की, जिससे संकेत मिलता है कि दिल्ली में कांग्रेस नेताओं और टीवीके नेताओं के बीच तमिलनाडु परिषद (टीएनसीसी) के नेताओं को दरकिनार करते हुए संचार का एक समानांतर चैनल खुल गया है। लेकिन डीएमके नेता विभिन्न घटनाक्रमों को लेकर तमिलनाडु परिषद (टीएनसीसी) के समक्ष अपनी आपत्तियां उठा रहे हैं और सेल्वपेरुंथोगई 2026 के विधानसभा चुनावों में डीएमके के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन की पुष्टि कर रहे हैं। डीएमके ने सत्ता में हिस्सेदारी और सीटों में भारी बढ़ोतरी की मांग को मानने से इनकार कर दिया है

शकुनि का चेला दुशासन ! ममता का अमित शाह पर तीखा हमला, बंगाल में सियासी महाभारत

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर करारा जवाब दिया, जिन्होंने टीएमसी सरकार की तुलना "भय और भ्रष्टाचार" से की थी और उन पर सीमा बाड़ लगाने के लिए जमीन देने से इनकार करने का आरोप लगाया था। ममता बनर्जी ने जवाब में भाजपा नेताओं की तुलना महाभारत महाकाव्य के पौराणिक पात्रों दुर्योधन और दुशासन से की। शाह के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने पेट्रापोल और अंडाल में बाड़ लगाने के लिए जमीन दी थी। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 14 साल पहले की स्थिति याद कीजिए, लोग डरे हुए थे। बांकुरा के लिए बहुत विकास कार्य किए गए और जल

संकट को दूर करने के लिए बहुत कुछ किया गया। चुनाव आ गए हैं और एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। टीएमसी नेता ने आगे कहा कि बंगाल में दुशासन आ गया है। चुनाव आते ही दुशासन और दुर्योधन प्रकट होने लगते हैं। यह शकुनी का शिष्य दुशासन है, जो सूचना जुटाने आया है। आज वे कह रहे हैं कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी। अगर मैंने जमीन नहीं दी होती तो क्या होता? पेट्रापोल में जमीन किसने दी? आंदल में जमीन किसने दी? जबकि केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीमा से घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है, ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि वे कहते हैं कि प्रवासी केवल बंगाल से आते हैं। अगर ऐसा है तो क्या आपने पहलगाम में हमला करवाया था? दिल्ली में हुई घटना के पीछे कौन था? भ्रष्ट भाजपा पार्टी। वे सर के नाम पर लोगों को परेशान कर रहे हैं। केवल आप और आपका बेटा खाएंगे, और हम उपदेश सुनते रहेंगे। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन और प्रवासियों का आगमन गरमागरम मुद्दे बन गए हैं, जिन्हें राज्य में आगामी 2026 विधानसभा चुनावों में मुद्दा बनाया जा सकता है। शाह ने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं, जिसका मकसद "अपना वोट बैंक बढ़ाना" है। उन्होंने कहा कि ममता, आज मैं आपसे एक सीधा सा सवाल पूछना चाहता हूं। कौन सी सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए

अमित शाह ने ममता को ललकारा: 2026 में खत्म होगा 'भाईपो' राज , बीजेपी दो-तिहाई से बनाएगी सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन पर जमकर हमला बोला और दावा किया कि पैसा कमाने का हक सिर्फ उनके भतीजे, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को है। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमित शाह ने टीएमसी सरकार की आलोचना करते हुए डीजीपी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की नियुक्तियों में मनमानी का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि कई राज्यों में हमारी सरकारें नहीं हैं, लेकिन वहां ऐसा व्यवहार नहीं होता। प्रधानमंत्री वंदे भारत अभियान को हरी झंडी दिखाने आते हैं, और ममता जी मंच पर नहीं जातीं। वह विभाग विभाग के नियमों को तोड़-मरोड़ कर पेश करती हैं, और डीजीपी की नियुक्तियों में मनमानी होती है। सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें सलाहकार, यानी परोक्ष डीजीपी के रूप में नियुक्त किया जाता है। ममता बनर्जी की सरकार ने

सिंडिकेट को बढ़ावा दिया है और रिश्वतखोरी की है, और यहां सिर्फ 'भाईपो' (भतीजे) को ही कमाने का हक है, किसी और को नहीं। उन्होंने आगे कहा कि मैं पश्चिम बंगाल के नागरिकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद भी राज्य सरकार की सभी मौजूदा योजनाएं जारी रहेंगी। हम जिन योजनाओं का वादा करेंगे, उन्हें जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा। राज्य में अवैध अप्रवासन के मुद्दे पर बोलते हुए अमित शाह ने मतुआ समुदाय को सुरक्षा का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मतुआ समुदाय को डरने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा का वादा है कि बंगाल आए उत्पीड़ित शरणार्थी भारत के नागरिक हैं और कोई उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा सकता, यहां तक कि ममता बनर्जी भी नहीं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं, जो उनके अनुसार अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिए है। शाह ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले जोरदार आह्वान किया।

यूपी बीजेपी में ब्राह्मण विधायकों के भोज पर बवाल, क्या पंकज चौधरी का बयान उल्टा पड़ा?

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश भाजपा लखनऊ में पार्टी के ब्राह्मण विधायकों और एमएलसी की हालिया बैठक को लेकर विभाजित नजर आ रही है। जहां नव नियुक्त राज्य इकाई के प्रमुख पंकज चौधरी ने विधायकों को जाति आधारित ऐसी बैठकें आयोजित करने के खिलाफ चेतावनी दी है और कहा है कि भविष्य में इन्हें अनुशासनहीनता माना जाएगा। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कई अन्य नेताओं का कहना है कि इस बैठक में कुछ भी गलत नहीं था। इसके साथ ही अब इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि पंकज चौधरी की ओर से जारी बयान से प्रदेश के ब्राह्मण समुदाय में अच्छा संदेश नहीं गया और इस पूरे मामले को पंकज चौधरी और बेहतर तरीके से संभाल सकते थे। 23 दिसंबर को उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान, ब्राह्मण विधायकों के एक समूह ने लखनऊ में बैठक की। इस बैठक ने काफी ध्यान आकर्षित किया, जिसमें समाजवादी पार्टी के बागी विधायकों के साथ-साथ भाजपा के विधायक भी शामिल थे। यह बैठक भाजपा के कुशीनगर विधायक पंचानंद पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर उनकी पत्नी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की गई थी। इसके बाद, राज्य भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि जाति आधारित बैठकें संविधान और पार्टी के मूल्यों के खिलाफ हैं, और चेतावनी दी कि ऐसा दोबारा होने पर अनुशासनहीनता मानी जाएगी। हालांकि, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य समेत भाजपा के कुछ नेताओं ने इस बात से असहमति जताई। मौर्य ने कहा, नजरिया गलत है, उद्देश्य नहीं। लोग मिलते हैं, और उन्हें मिलना चाहिए। अगर कोई विधायक किसी के जन्मदिन, शादी की सालगिरह में जाता है या लिट्टी-चोखा खाने जाता है, तो उसे जाति आधारित बैठक नहीं माना जाना चाहिए।

अमित शाह के बयान का असम सीएम ने किया समर्थन, बोले- घुसपैठियों के लिए दरवाजे खोल रहा बंगाल

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में घुसपैठ पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी का समर्थन करते हुए आरोप लगाया कि जहां असम और त्रिपुरा अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य घुसपैठियों के लिए अपने दरवाजे खोल रहा है। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की मांग की और गृह मंत्री के राष्ट्रीय ग्रिड के प्रस्ताव का स्वागत किया। पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि यही वास्तविकता है। जहां असम और त्रिपुरा घुसपैठ के खिलाफ लड़ रहे हैं, वहीं बंगाल घुसपैठियों के लिए अपने दरवाजे खोल रहा है। हमें पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय ग्रिड का प्रस्ताव रखा है; हम इसका स्वागत करते हैं। आज सुबह पश्चिम बंगाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से राज्य में अवैध प्रवासियों की कथित घुसपैठ के बारे में सवाल किया और उन पर सीमा बाड़ लगाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने से इनकार करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ही बांग्लादेश के साथ सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भूमि आवंटित नहीं कर रही है। क्या मुख्यमंत्री इसका जवाब दे सकती हैं कि त्रिपुरा, असम, राजस्थान, पंजाब, कश्मीर और गुजरात की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों रुक गई है? ऐसा इसलिए है क्योंकि पश्चिम बंगाल में आपकी निगरानी में जनसांख्यिकीय परिवर्तन लाने और अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए घुसपैठ हो रही है। अगला चुनाव घुसपैठ रोकने और घुसपैठियों को यहां से हटाने के मुद्दों पर लड़ा जाएगा। बंगाल सीमा से हो रही घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं, जो उनके अनुसार ह्लअपने वोट बैंक को बढ़ानेह्व के लिए है।

पंजाब विधानसभा में वीबी-जी राम जी कानून के खिलाफ प्रस्ताव लाना संविधान के विरुद्ध: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी ह्यवीबी-जी राम जीह्व कानून के खिलाफ प्रस्ताव पेश किए जाने को संविधान और संघीय ढांचे की मूल भावना के विरुद्ध करार दिया और कहा कि संसद द्वारा पारित कानून को मानना राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वह कल्पना लोक में रहते हैं और देश की हकीकत से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, बिना मंत्री परिषद और कैबिनेट के काम चलने की बात कहना केवल भ्रम फैलाना है। मन में जो आया, वह कह देना जिम्मेदार राजनीति नहीं है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल से पूछे बिना और मामले का अध्ययन किए बिना अकेले ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म कर दिया। चौहान ने पंजाब विधानसभा में इस विधेयक के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा

कि ये अंध विरोध की राजनीति है और कुछ लोग केवल विरोध के लिए विरोध कर रहे हैं, जिसका लोकतंत्र और संवैधानिक मर्यादाओं से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, अगर संसद में कोई कानून बनता है तो विधानसभा में उसके खिलाफ प्रस्ताव पारित करना हमारे संवैधानिक ढांचे की भावना के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया कि क्या यह उचित होगा कि राज्य के कानून के खिलाफ जिला पंचायत, जनपद पंचायत या ग्राम पंचायत प्रस्ताव पारित करने लगे? उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद द्वारा पारित कानूनों को मानना केंद्र और सभी राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार और विधानसभा में कुछ दल जो कर रहे हैं, वह अलोकतांत्रिक, अमर्यादित और संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। चौहान ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में मनरेगा सहित कई योजनाओं में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामलेसामने आए हैं लेकिन न तो दोषियों पर कार्रवाई की गई और न ही गबन की गई राशि की वसूली हुई। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में 13 हजार 304 ग्राम पंचायतों में से केवल 5 हजार 915 में ही सोशल ऑडिट हुआ है। उन्होंने कहा, रिपोर्ट में करीब 10 हजार 653 वित्तीय गबन के मामले सामने आए, लेकिन इनमें किसी पर कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मनरेगा में जिन गतिविधियों की अनुमति ही नहीं थीं उन पर भी अनियमित खर्च किया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मजदूर शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें मजदूरी तक नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए काम नहीं किया जाता, पकड़े जाने पर भी कार्रवाई नहीं होती, और दूसरी तरफ विधानसभा में संसद के कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने की बात होती है। यह अलोकतांत्रिक सोच है, जिसकी मैं निंदा करता हूं। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में जी राम जी कानून के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया और भाजपा नीत केंद्र सरकार पर मनरेगा को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। राज्य के ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंड ने विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान चर्चा के लिए सदन में प्रस्ताव पेश किया।

राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वह कल्पना लोक में रहते हैं और देश की हकीकत से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

संपादकीय

भारत के हासिलों का साल

नववर्ष 2026 दहलीज पर खड़ा मुस्करा रहा है। हालांकि वैश्विक स्तर पर 2025 युद्धों, हमलों और विध्वंस का साल रहा। छह अलग-अलग मोर्चों पर युद्ध लड़े गए और अब भी आसार बने हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध अब भी जारी है। ईरान और इजरायल में कभी भी बारूद की बारिश हो सकती है। चीन का जापान और ताइवान के साथ तनाव बढ़ रहा है, लिहाजा अपने-अपने मोर्चों पर हथियारों की तैनाती की जा रही है। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 8 युद्धों को शांत कराने का दावा करते रहें, लेकिन अमरीकी लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों, पनडुब्बियों और कमांडो सैनिकों ने वेनेजुएला की ऐसी घेराबंदी कर रखी है मानो किसी ने गला दबा कर सांस ही रोक दी हो! गाजा का तनाव और हमास आतंकी संगठन की मौजूदगी भी युद्ध को सुलगाए हुए है। सीरिया में भी हमले किए जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने नाटो और यूरोप के खिलाफ परमाणु युद्ध की बार-बार धमकी दी है। नाटो और यूरोप भी रूस के साथ लंबी लड़ाई लड? की तैयारी कर रहे हैं। 2026 में युद्धों की विभीषिकाओं और विनाश से मुक्ति मिल सकेगी, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि अब ये वर्चस्व और विस्तारवाद के युद्धों में परिणत हो गए हैं। 2025 में भारत ने भी आतंकवाद के दो विस्फोटक और हत्यारे हमले झेले हैं, नतीजतन मई में पाकिस्तान के खिलाफ करीब 90 घंटे का युद्ध लड?ा पड़ा। कश्मीर के पहलगाम के एक पर्यटक स्थल पर आतंकियों ने सैलानियों का धर्म पूछ कर हिंदुओं की हत्या की। उस आतंकी हमले में 26 मासूम मारे गए थे। प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सक्रिय 100 से अधिक आतंकियों को मार डाला, उनके मुख्यालयों को मिट्टी-मलबा कर दिया और कुछ प्रमुख एयरबेसों को तबाह कर दिया। उनकी मरम्मत आज भी जारी है। दूसरा विस्फोट 10 नवंबर को लालकिले के पास आत्मघाती हमले में किया गया। उसमें 15 मासूम मारे गए और करीब 30 लोग घायल हुए। इस हमले के जरिए डॉक्टरों के जिस आतंकी गिरोह का पदार्फाश हुआ, उसने देश को चौंका दिया। सवाल उठते रहे कि उच्च शिक्षित डॉक्टर भी जेहादी और आतंकी कैसे और क्यों बने? बहरहाल इन दो नकारात्मक और देश-विरोधी घटनाओं के अलावा, भारत में सकारात्मक और सुखद बहुत कुछ हुआ है।

चिंतन-मनन

जाल हैं राग और द्वेष

परमानंद को समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में तुम्हें तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रोत के साथ तुम्हारा दिव्य मिलन और संसार में बाकी सबकुछ तुम्हें इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारण, विभिन्न तरीकों से तुम्हें उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने, जो न समझे जा सकते हैं, न बताए जा सकते हैं, तुम्हें घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है, तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का, सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है। एक बार मानव जीवन पाकर, तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि तुम्हें यह समझ में नहीं आता, तो तुम बड़े नुकसान में हो। राग और द्वेष तुम्हारे हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है तो केवल व्यवहार में विनम्रता होने से कोई लाभ नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि तुम अंदर से कैसे हो। संसार केवल तुम्हारा बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु, ईश्वर को यह परवाह नहीं कि तुम बाहर से कैसे हो- वे केवल तुम्हारे अंदर देखते हैं। थोड़ा-सा भी राग या द्वेष का अंश कभी भी अपने दिल में मत बसाओ। इसे तो गुलाब के फूल की तरह रहने दो- ताजा, कोमल और सुगंधित। यह कैसा भ्रम है- तुम किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो, और यह तुम्हारे हृदय को कठोर बनाता है। और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं जो तुम्हें अनमोल खजाने से दूर रखते हैं। इस भौतिक संसार में कोई भी चीज तुम्हें तृप्ति नहीं दे सकती। बाहरी दुनिया में संतुष्टि खोजने वाला मन अधिक अतृप्त हो जाता है और यह अतृप्ति बढ़ती ही जाती है; शिकायतें तथा नकारात्मक स्वभाव दिमाग को कठोर बनाने लगते हैं, सजगता को ढक देते हैं और पूरे वातावरण में नकारात्मकता का विष फैला देते हैं। जब नकारात्मकता शिखर छूती है, एक अत्यधिक फूले हुए गुब्बारे की तरह फूट जाती है और फिर से दिव्यता में आ जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आस्था बनाम साँसें: कबूतर, कानून और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में आस्था अक्सर तर्क से बड़ी हो जाती है। यही कारण है कि यहाँ मंदिर के बाहर घंटियों की आवाज से ज्यादा तेज कभी-कभी साँसों की घुटन होती है, लेकिन हम सुनना नहीं चाहते। मुंबई की एक अदालत का हालिया फैसला–जिसमें सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने पर रू.5000 का जुमार्ना लगाया गया–इसी टकराव की एक स्पष्ट और साहसी मिसाल है। यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है जो भावुकता के नाम पर विज्ञान, कानून और सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुचल देती है।

हमारे समाज में कबूतरों को दाना डालना 'पुण्य' माना जाता है। सुबह-सुबह बालकनी, छत या पार्क में मुट्ठी भर दाना डालकर आत्मसंतोष पा लिया जाता है–मानो किसी बड़ी मानवता की सेवा हो गई हो। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिना परिणाम समझे किया गया कर्म सच में दया कहलाता है? चिकित्सा विज्ञान लगातार चेतावनी देता रहा है कि कबूतरों की सूखी बीट हवा में घुलकर क्रिप्टोकोकोसिस, हिस्टोप्लास्मोसिस, हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस और साल्मोनेला जैसी जानलेवा बीमारियाँ फैला सकती है। ये बीमारियाँ कोई काल्पनिक डर नहीं हैं, बल्कि अस्पतालों में भर्ती असली मरीजों की सच्ची कहानियाँ हैं। दमा, फेफड़ों के रोगी, बुजुर्ग और बच्चे–सबसे पहले इन्हीं की साँसें दांव पर लगती हैं।

मुंबई की अदालत ने इस मामले को केवल नगर निगम के आदेश के उल्लंघन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के लिए खतरा माना। क्ढउ की धाराओं के तहत सजा यह संकेत देती है कि अब राज्य सिर्फ बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहता, बल्कि बीमारी पैदा करने वाली सामाजिक आदतों को भी रोकना चाहता है। यह देश में पहली बार हुआ है कि कबूतरों को दाना डालने जैसे सामाजिक रूप से स्वीकृत कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यह फैसला बताता है कि कानून अब भावनाओं से नहीं, उनके प्रभावों से संवाद करेगा।

इस पूरे विवाद में सबसे असहज सवाल धर्म और परंपरा से जुड़ा है। कुछ लोग इसे आस्था पर हमला बता रहे हैं, लेकिन क्या धर्म कभी बीमारी फैलाने की अनुमति देता है? क्या किसी भी धार्मिक ग्रंथ में यह लिखा है कि पुण्य कमाने के लिए दूसरों की जान जोखिम में डाल दी जाए? खुद सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियाँ साफ कह चुकी हैं कि कबूतरों को दाना खिलाना कोई धार्मिक अनिवार्यता नहीं है, फिर भी विरोध जारी है। दरअसल यह विरोध आस्था का नहीं, ज़िद का है–अपनी आदतें न बदलने की ज़िद।

शहर अब गाँव नहीं रहे। घनी आबादी, ऊँची इमारतें, सीमित हवा और साझा स्थानों के बीच एक छोटी सी लापरवाही बड़े संकट में बदल जाती है। बालकनी में डाला गया दाना सिर्फ कबूतरों को नहीं बुलाता, बल्कि उनके साथ बीमारी, गंदगी और संक्रमण की पूरी श्रृंखला भी खड़ी कर देता है। विडंबना यह है कि वही लोग जो मास्क, वैक्सीन और वैज्ञानिक चेतावनियों पर सवाल उठाते हैं, वे पुण्य के नाम पर शहरों को जैविक कचरे का अड्डा बना देते हैं।

इस बहस में यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कबूतर दोषी नहीं हैं। वे तो अपने स्वभाव के अनुसार जी रहे हैं। दोषी हम हैं–हमारी अवैज्ञानिक भावुकता, हमारी सुविधा की आस्था और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी। अगर सच में दया करनी है तो नियंत्रित, सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों से कीजिए–पशु कल्याण संगठनों के माध्यम से, खुले सार्वजनिक स्थलों पर नहीं।

मुंबई अदालत का यह फैसला हमें साफ संदेश देता है कि आस्था निजी हो सकती है, लेकिन उसका असर सार्वजनिक जीवन को बीमार नहीं कर सकता। दया का मतलब नुकसान पहुँचाना नहीं होता और कानून अब इस फर्क को समझने लगा है। यह फैसला सिर्फ एक शहर या एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है कि अगर हमने समय रहते अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाले समय में 'आस्था' भी अदालत के कटघरे में खड़ी होगी।

आज जरूरत इस बात की है कि हम पुण्य को नए सिरे से परिभाषित करें। वह कर्म पुण्य नहीं हो सकता जो किसी बच्चे की साँस छीन ले। वह आस्था पवित्र नहीं हो सकती जो अस्पतालों की कतारें बढ़ा दे। मुंबई अदालत का यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि बेहिसाब भावुकता के खिलाफ है। यह याद दिलाने के लिए कि इंसान होने की पहली शर्त है–दूसरे इंसान की ज़िंदगी का खयाल। अगर आस्था सच में सच्ची है, तो उसे विज्ञान से डर नहीं लगेगा।

(कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी

कुमार कृष्णन

बिहार में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। इसे नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।मुंगेर के हवेली खड़गपुर में बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार और अपर पुलिस महानिदेशक विधि व्यवस्था ऑर्डर कुंदन कृष्णन के सामने तीन इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है।मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर स्थित एक कॉलेज मैदान में आयोजित समर्पण समारोह में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तीन सक्रिय नक्सलियों ने बिहार पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वालों में दो नक्सली ऐसे हैं जिन पर सरकार ने 3-3 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार की मौजूदगी में तीन नक्सलियों नारायण कोड़ा, बहादुर कोड़ा और विनोद कोड़ा ने हथियार डाल दिए।

नारायण कोडाः यह पीएलजीए का जोनल कमांडर था। बिहार सरकार ने इसकी गिरफ्तारी पर 3 लाख रुपये का इनाम रखा था। इसके खिलाफ मुंगेर, लखीसराय और जमुई में लगभग दो दर्जन मामले दर्ज हैं।

बहादुर कोडाः पीएलजीए के सब-जोनल कमांडर के पद पर सक्रिय था। इस पर भी 3 लाख रुपये का सरकारी इनाम था। इस पर भी दो दर्जन के करीब संगीन मामले दर्ज हैं।

विनोद कोडाः यह सशस्त्र दस्ते का सदस्य है। इसके खिलाफ लखीसराय जिले में तीन मामले दर्ज हैं।

जमुई का कुछ हिस्सा झारखंड से लगता है। ऐसे में ये तीनों नक्सली बिहार में वारदात के बाद झारखंड भाग जाते थे। जब झारखंड में कुछ होता था तो बिहार चले आते थे।

बिहार पुलिस के आधिकारिक बयान के अनुसार, आत्मसमर्पण के दौरान, नक्सलियों ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी सौंपे, जिसमें दो 5.56 एमएम इनसास राइफलें, चार 7.62 एम एम एस एल आर राइफलें, 150 राउंड 5.56 एम एम जिंदा कारतूस, 353 राउंड 7.62 एम एम जिंदा कारतूस, और बम/बम डेटोनेटर के साथ-साथ अन्य सामान शामिल हैं।

सरकार की आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति के तहत इन नक्सलियों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। बिहार पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार- प्रत्येक को 2.5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। साथ ही इनामी नक्सलियों के परिवार को 3 लाख रुपये की इनामी राशि मिलेगी। बिहार पुलिस के मुताबकि, रोजगारपरक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक 10,000 रुपये प्रति माह (कुल 3.6 लाख रुपये) भी दिए जाएंगे। वहीं सरेंडर के दौरान जो हथियार नकस्लियों ने दिए हैं, उनके बदले में 1.11 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी उन्हें दी जाएगी। इसके अलावा सरेंडर करने वाले नकस्लियों को आवास, राशन, आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, शिक्षा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा।

बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद की जो समस्या थी भारत में, उसमें प्रत्येक राज्य ने काफी तेजी से उपलब्धियां हासिल की हैं। जिन इलाकों में वामपंथी उग्रवाद की काफी गंभीर समस्या थी, उन इलाकों में काफी सारे इलाके से उग्रवाद समाप्त हुए हैं।

बिहार पहला राज्य है जहां पर बड़ी तेजी से नक्सलवाद खत्म हुआ। बिहार में 2005 के बाद से ही पटना, जहानाबाद, अरवल वगैरह जिला पूरी तरीके से नक्सल मुक्त हो गए।धीरे-धीरे हम लोगों ने जो 23 जिले हमारे अति उग्रवाद प्रभावित थे, वो शून्य हो गए। अभी 4 जिले मात्र हैं, जो 'लीगेसी एंड थ्रस्ट' जिले हैं। मतलब वो उग्रवाद प्रभावित नहीं है, लेकिन हम लोग निगरानी रख रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जो उग्रवाद प्रभावित इलाके थे, उनमें विकास की परियोजनाओं का इतना विकास हुआ है कि नक्सलवाद खत्म हो गया। वहां पर आप अभी जाएंगे, तो वहां एक से एक विकास की परियोजनाएं हैं।वहां सड़क, एक्सप्रेसवे, नेशनल हाईवे वगैरह की स्थापना हुई है। स्किल डेवलपमेंट किया गया है, स्कूल-कॉलेज स्थापित हुए हैं। तो विकास की परियोजनाओं को इस प्रकार से वहां पर लाया गया है कि वहां के जो युवा वर्ग हैं, जो उग्रवाद की ओर उन्मुख हो गए थे, वे मुख्यधारा में आ गए हैं।पंचायती राज संस्थाओं से युवा जुड़े हैं और क्षेत्र के विकास में काफी रुचि ले रहे हैं।

पुलिस महानिदेशक के अनुसार मुंगेर के हवेली खड़गपुर भीमबांध का जो क्षेत्र था, खड़गपुर हिल्स का क्षेत्र था, यहां 2007 में यहां पर पूरी केंद्रीय कमेटी आई थी और इनका कांग्रेस (अधिवेशन) हुआ था. तो यह इलाका भी काफी प्रभावित था, यहां पर कई गंभीर घटनाएं भी हुई थीं।तो यह इलाका भी अब पूर्ण रूप से कहें कि एकदम ही नगण्य एक-दो लोग बच गए हैं और सभी जो सक्रिय सदस्य थे उग्रवाद संगठन के, उन सभी या तो गिरफ्तार हुए हैं, आत्मसमर्पण हुए हैं और पूरा इलाका यह क्लियर हो चुका है।अब क्लियर होने के बाद हमारा सबसे बड़ा यह उद्देश्य है कि उस इलाके को विकसित कराया जाए।ह्व

विनय कुमार ने कहा कि विभिन्न प्रकार की योजनाओं से, पर्यटन की योजनाएं हों, विकास की योजनाएं हों, इनसे उस इलाके को इस प्रकार से सैचुरेट किया जाए

कि वहां के लोग समझें कि सरकार की जबरदस्त वहां उपस्थिति है, प्रशासन की जबरदस्त उपस्थिति है. किसी प्रकार की शून्यता नहीं है, कोई वैक्यूम नहीं है. आज की तिथि में इतनी योजनाएं हैं, इतनी सारी योजनाएं हैं, तो उन योजनाओं को सफलतापूर्वक वहां पर कार्यान्वित किया जाएगा और इलाके को पूरी तरीके से विकास से जोड़ा जाएगा।काफी वहां पर चंद वर्षों में ही आपको दिखेगा कि पूरा खड़गपुर इलाका जो है, वह पर्यटन और हर दृष्टिकोण से काफी विकसित होगा। वहीं बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सबको मुख्य धारा में आना चाहिए। बिहार के विकास में एक-एक व्यक्ति की जरूरत है और हमारा जो पैकेज है, उनको सहयोग भी किया गया।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबावों की तलाश

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरूआत है।

वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है। पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई

ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है।

प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक ह्यगंभीरह्ण श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था। जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई लगातार महंगी होती गई और देश के भीतर निजी शिक्षा संस्थानों की फीस मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर होती चली गई। शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण गरीबी के दुष्चक्र को और मजबूत कर रहा है। गरीब का बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है और अशिक्षा उसे फिर उसी गरीबी में धकेल देती है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, चौराहों और कारखानों में काम करते बच्चों की तस्वीरें विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। नया वर्ष यह गंभीर सवाल सामने रखता है कि क्या शिक्षा अधिकार है या विशेषाधिकार। यदि शिक्षा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है, तो उसे बाजार की वस्तु क्यों बना दिया गया है। चिकित्सा व्यवस्था भी 2025 में आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता बनी रही। सरकारी योजनाओं और दावों के बावजूद गंभीर बीमारी आज भी आर्थिक तबाही का कारण बन जाती है। निजी अस्पतालों की मनमानी, महंगी जांचें और दवाइयों की बढ़ती कीमतें यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या जीवन भी अब खरीदने-बेचने की वस्तु बन गया है। नया साल यह मांग करता है कि स्वास्थ्य को सेवा के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए, न कि मुनाफे के साधन के रूप में। महामारी और आपदाओं के अनुभव यह सिखाते हैं कि मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है।

भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है। नया वर्ष यह सवाल उठाता है कि क्या राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी या केवल सत्ता का साधन बनी रहेगी। वर्ष 2025 ने हमें यह सिखाया कि चुनौतियां केवल समस्याएं नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। पर्यावरण संकट हमें टिकाऊ विकास की ओर बुलाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य की चुनौतियां हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं और गरीबी व भ्रष्टाचार हमें सामाजिक न्याय की अनिवार्यता समझाते हैं। नये वर्ष की नाव इन्हीं अनुभवों और सबकों के सहारे आगे बढ़ सकती है। यदि हम विकास को प्रकृति-संवेदनशील बनाएं, शिक्षा और चिकित्सा को लोककल्याण का आधार मानें, राजनीति में नैतिकता और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित करें और गरीबी उन्मूलन को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता में उतारें, तो नये वर्ष का स्वागत सार्थक होगा।

नया साल कोई जादुई समाधान नहीं लाता, वह केवल एक अवसर देता है-अपने अनुत्तरित सवालों से ईमानदारी से जूझने का। यदि हम 2025 की घटनाओं से प्रेरणा लेकर 2026 में सही प्रश्न पूछने का साहस कर पाएं, तो उनके उत्तर स्वतः रास्ता बना लेंगे। यही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती।

कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में समग्र शिक्षा माध्यमिक योजनांतर्गत कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम की जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा के सभागार में किया गया। कैरियर गाइडेंस की जनपदीय कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ डॉ प्रवेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा द्वारा मां शारदा की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया। कैरियर गाइडेंस की जनपदीय कार्यशाला में जनपद अमरोहा के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नोडल शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। नोडल शिक्षक एवं प्रधानाचार्य द्वारा कार्यशाला में अपने विद्यालय में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत कैरियर हब की स्थापना, कैरियर क्लब का गठन, शिक्षक अभिभावक बैठक, विद्यालय में आयोजित कैरियर मेला एवं पंख पत्रिका के मुद्रण से संबंधित गतिविधियों का पी0पी0टी0 के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया। राज्य परियोजना द्वारा जनपदीय कार्यशाला में पांच बेस्ट प्रैक्टिसीज का चयन करने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में ललित कुमार प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा डॉ0 धर्म सिंह नोडल/प्रधानाध्यापक राजकीय हाईस्कूल बछरायूं एवं कु0 राघवा खानम नोडल शिक्षक राजकीय कन्या इंटर कॉलेज गजरौला सम्मिलित है। जनपदीय कार्यशाला में प्रस्तुतिकरण के आधार पर चार सदस्यीय समिति द्वारा पांच बेस्ट प्रैक्टिसेज के रूप में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गजरौलाप्रथम पंडित दीनदयाल मॉडल इंटर कॉलेज गजस्थल द्वितीय, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हसनपुर तृतीय, राजकीय हाईस्कूल याकूबपुरचतुर्थ और राजकीय हाईस्कूल रहरई को पंचम स्थान पर चयनित किया गया। डॉ0 प्रवेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के तहत आयोजित जनपदीय कार्यशाला में एक दूसरे से सीखने का अवसर प्राप्त हुआ है। कार्यशाला में एक दूसरे के कार्य करने की शैली, कार्य योजना तैयार करना एवं क्रियान्वयन से लाभान्वित होकर अपने विद्यालय में क्रियान्वित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। कार्यशाला में देवेंद्र प्रताप सिंह, पवन कुमार त्यागी, राजेंद्र सिंह संजीव कुमार, ओम प्रकाश, अनिल कुमार, विजयपाल सिंह, किरलता कुमकुम, विकास कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक ने किया।

गजरौला पुलिस ने 4 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली पुलिस ने 4 नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया है। बता दें कि अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में गजरौला नगर कोतवाली पुलिस टीम ने 4 नफर वारंटी अभियुक्तों आसिफ पुत्र इंसाफ निवासी ग्राम मोहरका पट्टी थाना गजरौला,अमरपाल सिंह पुत्र तेजपाल सिंह निवासी ग्राम नगला माफी थाना गजरौला, उस्मान पुत्र अशफाक निवासी मोहरका पट्टी थाना गजरौला एवं जितेंद्र पुत्र कमल सिंह निवासी तिगरी थाना गजरौला जिला अमरोहा को गिरफ्तार कर अमरोहा जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक चारों गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त मारपीट जैसी अन्य कई धाराओं में फरार चल रहे थे।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन से बकरी पालन को मिला बढ़ावा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को प्रोत्साहन देकर रोजगार सृजन और आय वृद्धि का माध्यम बन रही है। इस योजना के अंतर्गत बकरी पालन, भेड़ पालन, सूअर पालन तथा भैंस पालन जैसी गतिविधियों को सब्सिडी प्रदान की जाती है।जिले में बकरी पालन यूनिट के रूप में 100 मादा बकरियां + 5 नर बकरों की इकाई स्थापित की जा रही है। एक यूनिट की अनुमानित लागत लगभग 20 लाख रुपये है, जिसमें सरकार 50% अनुदान (लगभग 10 लाख रुपये) प्रदान करती है। योजना के लिए आवेदक के पास कम से कम 1एकड़ भूमि होनी चाहिए, जो आबादी क्षेत्र से 500 मीटर दूर स्थित हो। साथ ही, बैंक से ऋण की सहमति आवश्यक है।अमरोहा जिले में इस योजना का सफल क्रियान्वयन हो रहा है। ग्राम सैतली में एक लाभार्थी ने यूनिट स्थापित की है, जबकि सुमित ने ग्राम धना नगला में 100 बकरी की यूनिट शुरू की है। लाभार्थी हसन ने अपनी यूनिट से 100 बकरियों से लगभग 120 बच्चे प्राप्त किए और उनकी बिक्री से अच्छा मुनाफा कमाया है।यह योजना पशुपालकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

जिलाधिकारी ने किया गरीबों, बेसहारों व निराश्रितों के लिए रैन बसेरे का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा सुबोध नगर में बनाए गए गरीबों, बेसहारों व निराश्रितों के लिए रैन बसेरे का निरीक्षण। इस मौके पर जिलाधिकारी ने पीने योग्य पानी की व्यवस्था, महिला कक्ष आदि सहित रैन बसेरे में रुकने वाले व्यक्तियों के रजिस्टर चेक किया जिस पर उन्होंने रैन बसेरे रुकने के उपरांत जब वे जायें तब उनकी जाने की भी एंट्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी असुविधा के लिए नंबर दीवार पर लिखने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि रैन बसेरे का नंबर पास के पुलिस चौकी पर अवश्य दें दे ताकि विषम परिस्थितियों में सहायता मिल सके।

जिलाधिकारी द्वारा रेलवे क्रॉसिंग पर बने फ्लाई ओवर के नीचे स्ट्रीट वेंडिंग जोन के अंतर्गत बनाई जाने वाली दुकानों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि जब दुकान बनाई जाए तब एक साइड किराना, फल आदि की दुकान हो और दूसरी साइड खाने-पीने वाली दुकान हो। उन्होंने कहा कि सेफ्टी का विशेष ध्यान दिया जाए दुकानों के पास शौचालय महिला और पुरुष की अलग-अलग व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि यातायात बाधित न हो इसके लिए पार्किंग की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने 26 जनवरी, 2026 तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने फ्लाईओवर पर बनाई जाने वाली पेंटिंग का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने वार्ड नंबर-10 मोहल्ला गुलड़िया, नगर पालिका परिषद अमरोहा में नंदनभवन/ऑक्सी वन का निरीक्षण किया और वहां आम का वृक्ष भी लगाया। उन्होंने कहा कि इससे एक बड़े प्रोजेक्ट के तौर पर डेवलप किया जाए ताकि लोग भ्रमण के लिए आए उनके लिए शुद्ध हवा प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने नई तहसील परिसर भवन के निकट सरकारी जमीन पर तीन मंजिला कंपलेक्स दुकान बनाए जाने वाली चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मोहम्मदपुर में उपवन योजना के अंतर्गत थीम बेस गार्डन बनाए जाना प्रस्तावित है उक्त के लिए निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहां का कूड़ा पूर्ण डिस्पोज होने के उपरांत तुरंत उपवन योजना के अंतर्गत कार्य होकर पेड़ पौधे लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी द्वारा जोया-अमरोहा रोड पर बनाए जा रहे नाले का निरीक्षण किया अमरोहा ग्रीन के निकट नाला टेढ़ा बनने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 50 से 60 मी0 तक का कार्य रोकने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अमरोहा बृजेश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी शैलेंद्र शर्मा आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में जनता के हमदर्द बने वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद में वरिष्ठ कोषाधिकारी के रूप में तैनात अशोक राव गौतम अपनी मेहनत और समर्पण से जनपद के वित्तीय प्रबंधन को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। हाल ही में सहारनपुर से अमरोहा स्थानांतरित होकर आए अशोक राव गौतम ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही कई महत्वपूर्ण सुधार शुरू कर दिए हैं, जिससे जिले के सरकारी विभागों और कर्मचारियों में उत्साह का संचार हुआ है।वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम का कहना है कि उनका मुख्य उद्देश्य कोषागार कार्यों में पारदर्शिता लाना और समयबद्ध तरीके से सभी भुगतानों को पूरा करना है। उन्होंने कोषागार में डिजिटलाइजेशन पर जोर देते हुए ऑनलाइन सिस्टम को और मजबूत किया है, जिससे पेंशनर्स, कर्मचारियों और विक्रेताओं के बिलों का निपटारा तेजी से हो रहा है। जिले में पहले रिक्त चल रहे इस पद पर उनकी तैनाती से कई लंबित मामलों का समाधान हुआ है।जिलाधिकारी और अन्य अधिकारियों ने अशोक राव गौतम के कार्यों की सराहना की है। उनके नेतृत्व में कोषागार कर्मचारियों की ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, ताकि वित्तीय लेन-देन में कोई गलती न हो। साथ ही, सरकारी योजनाओं के फंड का सही उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अमरोहा जिले के निवासियों का कहना है कि ऐसे समर्पित अधिकारी से जिले के विकास को नई गति मिलेगी। अशोक राव गौतम की कार्यशैली से प्रेरित होकर कोषागार विभाग अब अधिक कुशल और जनसेवा केंद्रित बन रहा है। आने वाले दिनों में वे जिले की वित्तीय व्यवस्था को और मजबूत बनाने की योजना बना रहे हैं। अमरोहा वासी उनके बेहतर कार्यों के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

फास्ट फूड खाने वाले हो जाएं सावधान,धनौरा क्षेत्र में छात्रा की संदिग्ध अवस्था में मौत

परिजन बोले फास्ट-फूड खाने से दिमाग में हुए कीड़े, दिल्ली में चल रहा था उपचार

धनौरा/अमरोहा(सब का सपना) काविंद्र सिंह:- में एक और छात्रा की संदिग्धावस्था में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि फास्ट फूड खाने से दिमाग में कीड़े हुए थे। फास्ट फूड में इस्तेमाल पत्ता गोभी के जरिए दिमाग में कीड़ा पहुंचने से यह घटना हुई है। छात्रा का इलाज दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (RML) अस्पताल में चल रहा था, ऑपरेशन के बावजूद भी डॉक्टर छात्रा इलमा को नहीं बचा सके। इससे कुछ दिन पहले भी अमरोहा निवासी अहाना की भी इसी तरह से मौत हो चुकी है। बता दें कि मृतक छात्रा इलमा अमरोहा जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव चुचैला कलां की रहने वाली किसान नदीम अहमद की सबसे बड़ी बेटी थी। वह ग्लोबल पब्लिक स्कूल में इंटर की पढ़ाई के साथ नीट की तैयारी भी कर रही थी, लगभग एक महीने पहले उसे टाइफाइड हुआ था, जिसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई, नोएडा के एक निजी अस्पताल में जांच के दौरान सीटी स्कैन और एमआरआई रिपोर्ट में डॉक्टर ने उसके दिमाग में 7 से 8 गांठें बताई थीं। कुछ दिनों के बाद उसकी तबीयत में सुधार भी हुआ लेकिन अचानक फिर तबीयत बिगड़ गई दोबारा जांच करने पर गांठों की संख्या में बढ़ोतरी हुई और गांठों का आंकड़ा 20 से 25 तक पहुंच गया। परिजनों के अनुसार डॉक्टरों ने बताया कि इन गांठों के पीछे एक प्रकार का कीड़ा (संभावित परजीवी) जिम्मेदार था जो फास्ट फूड में इस्तेमाल की गई दूषित पत्ता गोभी से शरीर में पहुंचा दावा किया गया कि पत्ता गोभी की पत्तियों में मौजूद कीड़े और उनके अंडे दिमाग तक पहुंच कर गांठे बना देते हैं, इलाज के दौरान दवाओं से कीड़े को तो खत्म कर दिया गया लेकिन गांठे नियंत्रित नहीं हो सकीं। 22 दिसंबर को परिजन उसे दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (RML) अस्पताल ले गए , जहां इलमा के दिमाग का ऑपरेशन भी किया गया। हालांकि 29 दिसंबर को इलाज के दौरान इलमा की जान नहीं बचाई जा सकी और देर रात गमगीन माहौल में उसे सुपुर्द ए खाक कर दिया गया। इसके अलावा परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक इलमा फास्ट फूड की बहुत शौकीन थी अकसर शादी या अन्य कार्यक्रमों में वह फास्ट फूड को ही प्राथमिकता देती थी जब इलमा की जांच रिपोर्ट में गांठे पाई गई तो डॉक्टरों ने बताया कि इन गांठों के पीछे एक प्रकार का कीड़ा (संभावित परजीवी) जिम्मेदार है।

गजरौला क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से तेंदुए की मौत,क्षेत्र में दहशत का महौल

मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने तेंदुए के शव को पोस्टमार्टम के भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में दहशत का कारण बना आदमखोर तेंदुआ गजरौला थाना क्षेत्र में रनथ्रू ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे वह दर्दनाक मौत का शिकार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि मृत तेंदुआ काफी समय से क्षेत्र में लोगों के लिए खतरा बना हुआ था। वन विभाग द्वारा तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ताकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जा सके। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर सिहाली जांगीर वन रेंज की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए के शव को कब्जे में ले लिया और वन रेंज ऑफिस ले गए। वन अधिकारियों ने बताया कि डीएफओ के आदेश के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। साथ ही बताया कि तेंदुए के शव पर कहीं भी चोट के निशान नहीं है। सिर्फ नाक से ब्लड आ रहा है। आशंका है कि ट्रेन से टकराने के बाद तेंदुए की मौत हुई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है,क्योंकि तेंदुए को लेकर लंबे समय से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था।

बाबा बंदगी शाह की दरगाह पर सजा ऑल इंडिया मुशायरा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव ढक्का में बाबा बंदगी शाह रहमतुल्लाह अलैह की मजार पर ऑल इंडिया मुशायरे का भव्य आयोजन किया गया। देश के विभिन्न शहरों से आए मशहूर शायरों ने अपने दिलकश अशआर से महफिल को यादगार बना दिया। देर रात तक शायरी का सिलसिला चला और हर शेर पर श्रोताओं की ओर से जोरदार तालियों और वाह-वाह की गूंज सुनाई देती रही। कार्यक्रम की शुरूआत शमा रोशन कर एडवोकेट विशाल चौधरी ने की। मुशायरे की सदारत प्रसिद्ध शायर चमन हैदर बकरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि ऑल इंडिया कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी सैयद अदनान अशरफ रहे। मुशायरे में अल्ताफ जिया ने कहा कि आना तो था मुझे मगर आना नहीं हुआ, ये तो जनाब कोई बहाना नहीं हुआ। असद अशरफ के शेर पर खास तालियां बजीं– हमने चाहा न मोहब्बत का तमाशा वरना, तू सरे बज्म नहीं शहर में रुसवा होता। सामाजिक सरोकारों को उजागर करते हुए खुर्शीद हैदर ने पढ़ा कि अपने हिंदुस्तान को देखो शहरों के बाजारों में, भूखे बच्चे पत्ते चाटें, कुत्ते घूमें कारों में। इकरा नूर की गजल ने श्रोताओं को भावुक कर दिया–तेरे बगैर ये हालत है क्या किया जाए, बुझी-बुझी सी तबियत है क्या किया जाए। डॉ. फैसल शुजाअत ने अपने शेर से महफिल में रंग भर दिया कि छोड़ा है जबसे तूने फैसल को ऐ सनम,अब वो मजा कहाँ है भला उस बहार में। वकार फराजी ने मोहब्बत और वफा का पैगाम दिया कि कब कहाँ दर्द-ए-दिल की दवा चाहिए,आपसे सिर्फ मुझको वफा चाहिए। वहीं देशप्रेम से ओत-प्रोत शेर जमाल हसनपुरी ने पेश किया कि ना बांग्लादेश रखते हैं ना पाकिस्तान रखते हैं,हम अपने दिल में बस नक्शा-ए-हिंदुस्तान रखते हैं। मुशायरे में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी, इस दौरान मौङ्क आसिफ, अब्दुल अफ्फान चौधरी,सुलेमान चौधरी,तोफीक और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन साहित्य, संस्कृति और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का काम करते हैं। कार्यक्रम का समापन अमन-चैन और भाईचारे की दुआ के साथ हुआ।

जिले में मधुमक्खी पालन को मिलेगा बढ़ावा, उद्यान विभाग की विशेष योजना

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत मधुमक्खी पालन कार्यक्रम को प्रमुखता से संचालित किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, फसलों के परागण में सुधार करना और शहद उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत इच्छुक मौनपालकों को मधुमक्खी कॉलोनियां, बॉक्स और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सामान्य श्रेणी के लिए: प्रति यूनिट 50 मधुमक्खी कॉलोनियां और 50 मौनपालन बॉक्स सहित एक उपकरण प्रदान किया जाएगा। आपूर्ति सरकार द्वारा नामित एवं चयनित फर्मों से की जाएगी। चयन पहली आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर होगा। अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए: विशेष प्रावधान के तहत प्रति यूनिट 5 मधुमक्खी कॉलोनियां और 5 मौनपालन बॉक्स उपलब्ध कराए जाएंगे। यह अनुसूचित जाति/जनजाति एवं औद्योगिक विकास योजना के अंतर्गत है, जिसमें एससी/एसटी मौनपालकों को प्राथमिकता दी जाएगी। आपूर्ति भी चयनित फर्मों से ही होगी।

सम्भल वन प्रभाग में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर सफल प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए वन्यजीव संरक्षण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सम्भल वन प्रभाग में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रभागीय कार्यालय कैम्प चन्दौसी के परिसर में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में फील्ड स्टाफ को रेस्क्यू ऑपरेशनों के बारीकियां सिखाई गईं, ताकि हिंसक वन्यजीवों से जुड़े खतरे न्यूनतम हो सकें। कार्यशाला का संचालन क्षेत्रीय वन अधिकारी मनोज कुमार ने किया, जो सम्भल-चन्दौसी रेंज के प्रभारी हैं। उन्होंने प्रभाग के सभी फील्ड स्टाफ और अन्य कर्मचारियों को मानव-

वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन तथा वन्यजीव रेस्क्यू ऑपरेशनों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रभाग के समस्त फील्ड व कार्यालयीन स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो वन संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेष रूप से तेन्दुआ, बाघ और अन्य हिंसक वन्यजीवों के रेस्क्यू पर फोकस किया गया। मनोज कुमार ने बताया कि ऐसे ऑपरेशनों में सावधानी बरतना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि गलत कदम से न केवल स्टाफ या स्थानीय लोगों को खतरा हो सकता है, बल्कि रेस्क्यू किए गए जीव को भी नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने रेस्क्यू के दौरान अपनाई जाने वाली प्रमुख सावधानियों पर प्रकाश डाला, जैसे कि क्षेत्र की टोह लेना, टीम वर्क और त्वरित निर्णय लेना। कार्यशाला में रेस्क्यू के लिए उपयोगी उपकरणों– जैसे कैज, जाल, हेलमेट, जैकेट, दस्ताने, ट्रेप आईआर कैमरा और माइक–के सही उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मनोज कुमार ने व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से समझाया कि इन उपकरणों का कैसे प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए, ताकि ऑपरेशन के दौरान किसी को चोट न लगे। उन्होंने जोर दिया कि रेस्क्यू के बाद वन्यजीव को सुरक्षित तरीके से उच्चाधिकारियों, पशु चिकित्सकों की निगरानी में उनके प्राकृतिक आवास, बचाव केंद्र या चिड़िया घर भेजा जाना चाहिए।

यह प्रशिक्षण न केवल फील्ड स्टाफ की क्षमता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सम्भल जिले जैसे क्षेत्रों में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी सहायक सिद्ध होगा। वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि ऐसे निरंतर कार्यक्रमों से वन्यजीव संरक्षण की दिशा में सकारात्मक बदलाव आएगा। कार्यशाला के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे प्राप्त ज्ञान को जमीन पर उतारेंगे।

डीएम व एसपी ने की पैदल गश्त, जनता से की सुरक्षा व भाईचारे की अपील

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून-व्यवस्था मजबूत करने और अपराध पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने मंगलवार को थाना संभल क्षेत्र के मुख्य बाजारों व भीड़-भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त की। पुलिस बल के साथ की गई इस गश्त के दौरान दोनों अधिकारियों ने आमजन से सीधा संवाद स्थापित किया और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने पर जोर दिया। गश्त के दौरान डीएम डॉ राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार ने बाजारों में घूमते हुए दुकानदारों, व्यापारियों और राहगीरों से बातचीत की। उन्होंने अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने पर चर्चा की। जनता में

सुरक्षा की सतर्कता जागृत करने के लिए अधिकारियों ने विशेष रूप से भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर फोकस किया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि यह गश्त जनपद में शांति व सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सतत प्रयास है। उन्होंने कस्बावासियों से अपील की कि वे सद्भावपूर्ण वातावरण बनाए रखें और आपसी भाईचारे से रहें। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि ऐसी गश्तें न केवल अपराधियों को हतोत्साहित करती हैं, बल्कि आम नागरिकों में विश्वास भी जगाती हैं। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि अधिकारियों की उपस्थिति से उन्हें सुरक्षा का आभास होता है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि ऐसी गश्तें भविष्य में भी जारी रहेंगी, ताकि सम्भल में शांति का वातावरण हमेशा कायम रहे।

जरूरत मंदों को कम्बल और बच्चों को स्वेटर दिया गया

संवाददाता

कसया, कुशीनगर । हाटा ब्लाक के गांव रामपुर पट्टी के नटवलिया में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने जरूरतमंद लोगों में कंबल और बच्चों को स्वेटर बांटे। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्यअतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. रामजियावन मौर्य ने कहा कि सर्दी से बचाव के लिए गरीब और असहाय लोगों को कंबल और स्वेटर बांटे गए हैं। खण्ड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र कौशिक ने कहा कि समाजिक कार्यों को आगे आकर जरूरत मंदों को कम्बल और बच्चों को स्वेटर देकर बहुत ही पुनीत कार्य किया है। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि और भाजपा नेता सुधीर राव ने बताया कि जरूरतमंद और निर्धन असहाय को कम्बल और पढ़ने वाले बच्चों को स्वेटर दिया गया।

बच्चों को भी स्वेटर मिलने पर चेहरे पर खुशी की रौनक देखने को मिला। अध्यक्षता ग्राम प्रधान तहसीलदार राव व संचालन धीरज राव ने किया। इस अवसर पर शिक्षक नेता राम दिनेश सिंह सुजीत राव, रमन राव, डिम्पल पांडेय, राजन तिवारी, मनोज प्रजापति, सजय राव, अनिश आलम, मनोहर प्रसाद मौजूद रहे।

जामा मस्जिद के पास कब्रिस्तान की जमीन पर 22 अवैध मकान-दुकानें की गई चिन्हित

कब्जाधारियों को भेजा जाएगा नोटिस उसी आधार पर होगी अग्रिम कार्रवाई:-जिलाधिकारी

संभल(सब का सपना):- जिले में विवादित स्थल- शाही जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया ने मंगलवार को प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि एक मौखिक और फिर लिखित शिकायत मिलने के बाद राजस्व विभाग की टीम ने विवादित स्थल से सटी गाटा संख्या 32/2 (कुल क्षेत्रफल 4780 वर्ग मीटर) की पैमाइश कराई गई। पैमाइश में पाया गया कि पूरी जमीन शत-प्रतिशत कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है

और यहां कहीं भी कोई मकान या दुकान दर्ज नहीं है। इस दौरान कुल 22 मकान और दुकानों को अवैध कब्जे के रूप में चिन्हित किया गया है। ये कब्जे पुराने और नए दोनों तरह के हैं, कुछ तो पूर्व से 20-25 साल पुराने भी हैं। डीएम डॉ. पेंसिया ने कहा, हम इन 22 चिन्हित मकान-दुकानों के मालिकों को नोटिस भेजेंगे। यदि उनके पास कोई वैध दस्तावेज हैं, तो वे उन्हें प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। पूरी गाटा संख्या पर केवल कब्रिस्तान दर्ज है और कब्जा इसी पर किया गया है। इसे खाली कराने के लिए आवेदन दिया गया था। यह पैमाइश भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरी की गई। क्षेत्र में पुलिस बल, पीएसी और आरआरएफ की तैनाती की गई थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई कानून के तहत की जा रही है और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा के लिए आवश्यक है। आगे की कार्रवाई दस्तावेजों की जांच के बाद तय होगी।

नव वर्ष मेले को लेकर डीएम और एसपी ने भ्रमण कर दिए निर्देश

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। जिलाधिकारी कुशीनगर महेंद्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने बुद्ध स्थली कुशीनगर में नव वर्ष के अवसर पर लगने वाले मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निरीक्षण किया। मंगलवार को कसया और कुशीनगर पहुंचे डीएम श्री तंवर और एसपी श्री कुमार ने पुलिस बल और अधिकारियों के साथ थाना कसया क्षेत्र के मार्गो, चौराहों, बाजारों, नाकों व भीड़- भाड़ वाले स्थानों आदि का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा बैरिकेडिंग, पार्किंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

स्व. विजय सिंह ने की आम जनता की सेवा : दुर्गेश राय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के साखोपार में समाजसेवी स्व0 विजय प्रताप नारायण सिंह की 9 वीं पुण्यतिथि पर मानस पाठ, संत समागम, सहभोज एंव कम्बल वितरण किया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि कर्मों की बदौलत व्यक्ति हमेशा याद किए जाते हैं। ऐसे थे विजय सिंह जिन्होंने सदा आम जन मानस की सेवा की। उनके दिखाए मार्ग पर उनके परिजन चलकर सामाजिक कार्यों, सेवा कार्य को आगे बढ़ाकर पुण्य और नेक कार्य कर रहे हैं जो बहुत ही सराहनीय है। बगही कुट्टी के महंथ विश्वंभर दास, साधु संतों ने कहा कि विजय सिंह कुशल व्यक्तित्व के धनी, मिलनसार व्यक्ति थे। गरीबों व जरूरत मन्दों, संतो, मदरसों के बच्चों में कम्बल वितरण का शुभारम्भ स्व0 श्री सिंह की पत्नी पुर्व ग्राम प्रधान शीला सिंह ने किया। विशिष्ट जनों सहित एबीपीएसस प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, बीओसी डब्ल्यूबोर्ड सदस्य अभय प्रताप नारायण सिंह, पीयूष प्रताप नारायण सिंह, प्रधान शैलेश प्रताप नारायण सिंह, कुशल प्रताप नारायण सिंह एडवोकेट, सत्यम प्रताप सिंह, सुंदरम, त्रिपुरेश, शशांक, शिवम, भुवनेश, करुणेश, रत्नेश, अभिनन्दन ने स्व सिंह व उनके पिता स्व नवल किशोर सिंह को श्रद्धांजलि दी।

आभार अजय सिंह और डब्ल्यूबोर्ड सदस्य अभय सिंह ने व्यक्त किए। इस अवसर पर भजन गायक जुड़वा भाई चंदन और नंदन की जोड़ी ने अपनी गीतों समा बांधी तो भोजपुरी गायिका अनुपमा यादव की गीतों पर दर्शक झूम उठे। कवियत्री भावना द्विवेदीकी प्रस्तुति शानदार रही। इस अवसर पर मनीष जायसवाल बुलबुल, दिनेश कुमार तिवारी भोजपुरिया, विधानसभा प्रभारी ढाका दया शंकर सिंह, चंद्रशेखर शुक्ला, विजेंद्र प्रताप सिंह, सन्नी कुमार गोंड, संतोष मिश्रा, सुरेश शाही, श्रवण द्विवेदी, कृष्णानंद पांडेय, नरेंद्र दास, ऋतिक सिंह, उपेंद्र यादव सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

यूपी: स्कूलों के बाद प्रदेश के मदरसों में घोषित हुए शीतकालीन अवकाश, रमजान में 33 दिन रहेगी बंदी

लखनऊ। प्रदेश के सभी मदरसे 1 से 10 जनवरी तक बंद रहेंगे। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने ठंड को देखते हुए 10 दिन का शीतकालीन अवकाश घोषित किया है। साथ ही मदरसा बोर्ड ने साल 2026 की अवकाश तालिका भी जारी कर दी है। सर्दी व गर्मी में मौसम बदलने पर जिलाधिकारी व अन्य सक्षम स्तर से घोषित होने वाले अवकाश मदरसों पर भी लागू होंगे।उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद से प्रदेश में करीब 16460 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं। इनमें सरकार से अनुदानित 560 मदरसे हैं। ठंड को देखते हुए प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त मदरसों में एक जनवरी से 10 जनवरी तक शीतकालीन घोषित किया गया है। मदरसा बोर्ड की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही ने बताया कि शीतकालीन अवकाश के साथ ही साल 2026 के अवकाश की तालिका भी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि रमजान 18 फरवरी से शुरू होने की संभावना है। इसको देखते हुए मदरसों में वार्षिक अवकाश 16 फरवरी से 30 मार्च तक तय किया गया है। उन्होंने बताया कि ईद उल फित्र में मदरसों में 4 दिन का अवकाश रहेगा। इसके अलावा ईद उल अजहा में 5 दिन, मुहर्रम में 5 दिन और शब-ए-बरात एवं ईद मीलादुन्नबी में 2-2 दिन मदरसे बंद रहेंगे। वहीं, ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स, हजरज अली जयंती, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, मेराजुन्नबी, होली, महावीर जयंती, डा. आंबेडकर जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, रक्षाबंधन, चेहल्लुम, विजयादशमी, महात्मा गांधी जयंती, दीपावली, गुरुनानक जयंती, ग्यारहवीं, क्रिसमस पर भी मदरसों में अवकाश रहेगा। उन्होंने बताया कि मदरसे के प्रबंधक 3 और प्रधानाचार्य 2 अवकाश स्वीकृत कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इन अवकाशों के अतिरिक्त शिक्षकों और कर्मचारियों को 14 दिन का आकस्मिक अवकाश देय होगा। राष्ट्रीय पर्व में शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा लेकिन शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मदरसे में उपस्थित रहकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। अंजना सिरोही ने बताया कि मदरसों में साप्ताहिक अवकश शुक्रवार को रहेगा। उन्होंने बताया कि मदरसों के संचालन के समय में जरूरत के मुताबिक परिवर्तन प्रबंधन की ओर से किया जा सकेगा लेकिन तय शैक्षिक घंटे उससे प्रभावित न होने पाएं।

अटल जयंती पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागी पुरस्कृत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दुलारी सेवा संस्थान कुशीनगर द्वारा निरंकारी इण्टरमीडिएट कॉलेज कसया में आयोजित कार्यक्रम स्व. अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी समारोह के अंतिम दिन जिला स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजित पुरस्कार सम्मान समारोह में मुख्यअतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर किया। कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय के अतिरिक्त 50 सांत्वना पुरस्कार दिया गया।मुख्य अतिथि श्री त्रिपाठी ने कहा कि अटल जी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए उन्हें दूरदर्शी एवं जनप्रिय नेता बताया। विशिष्ट अतिथि शासकीय अधिवक्ता विनय मिश्र ने उन्हें कवि हृदय एवं जनप्रिय नेता बताया। कार्य क्रम का संचालन राजू मद्धेशिया व आभार ज्ञापन आयोजक अमित कुमार मिश्र ने किया। इस दौरान प्रधानाचार्य ए के चौरसिया जी, विशाल शर्मा, रामप्रताप चौरसिया, चन्दन कुमार, मनोज सिंह आदि उपस्थित रहे।

अलविदा 2025 : देशभर में सुर्खियों में रहा बरेली का बवाल, हत्याओं से दहला जिला, जानें बड़े घटनाक्रम

बरेली। साल 2025 में जघन्य अपराधों में कमी जरूर दर्ज की गई, लेकिन इस साल का दामन भी वक्त-वक्त पर खून से लाल होता रहा। इस बरस बरेली जिले में कुछ चर्चित हत्याएं हुईं तो 26 सितंबर को हुआ बवाल पूरे देश में सुर्खियां बना। पति संग मिलकर प्रेमी को ठिकाने लगाने का मामला भी बेहद चर्चित रहा। अन्य तरह के अपराध में भी उतार-चढ़ाव चलता रहा। 11 फरवरी को सेटेलाइट बस स्टैंड पर भीड़भाड़ के बीच प्रतापगढ़ निवासी पार्सल ठेकेदार बंधुओं पर गोलीबारी की गई थी। इसमें अतुल पांडेय घायल हो गए थे जबकि अनुज पांडेय की मौत हो गई थी। 27 सितंबर को बारादरी क्षेत्र में हनुमान दल के जिला उपाध्यक्ष बिशारतगंज निवासी गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बिथरी चैनपुर में 15 अक्तूबर को

रामलीला मेला देखकर लौट रहे युवक अभिषेक यादव की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया कि कहासुनी के बाद शराब का गिलास छलकने पर वारदात को अंजाम दिया था। पति और ससुराल वालों ने दहेज में कार की मांग को लेकर 27 नवंबर को अधिवक्ता महजबीन अंसारी की हत्या कर दी। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर वकीलों ने कई दिन भूख हड़ताल और धरना-प्रदर्शन भी किया था। पांच दिसंबर की सुबह सेंथल में मुकेश नाम के युवक की हत्या कर दी गई थी। जांच में पता लगा कि मुकेश के शादीशुदा महिला से अवैध संबंध थे। बाद में महिला ने पति का साथ दिया और दोनों ने मिलकर मुकेश की हत्या कर शव ठिकाने लगा दिया। 26 सितंबर को बवालियों ने न सिर्फ शहर की फिजा में जहर घोला, साथ ही पुलिस को भी निशाना बनाया। अब तीन माह से पुलिस की ऊर्जा आरोपियों पर कार्रवाई में खर्च हो रही है। पुलिस ने बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर के खिलाफ कुल 14 मामले दर्ज किए हैं। 11 मामलों में तौकीर और उसके गुर्गों पर चार्जशीट दाखिल की गई है। मौलाना के खिलाफ पुराने मामलों की फाइल भी खुल गईं हैं। मौलाना के 187 गुर्गों के नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आए। 87 गुर्गों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 22 आरोपियों को नोटिस तामील कराए गए हैं। 110 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। आरोपियों की संपत्तियों को सील और जमींदोज किया गया। 77 आरोपियों पर कार्रवाई बाकी है। बवाल के दौरान 36 पुलिसकर्मी व एक नागरिक घायल हुआ था। 11 और 12 सितंबर की रात शहर स्थित अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर गोल्डी बरार गैंग के बाइक सवार शूटरों ने फायरिंग कर दहशत फैला दी। एसटीएफ ने दिल्ली और हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर सोनीपत निवासी रविंद्र और अरुण को गाजियाबाद में ढेर कर दिया।

हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की अनोखी मिसाल महिला की जान बचाने के लिए किया रक्तदान

संभल(सब का सपना) अफसर अली:- जिले में उस समय हिंदू-मुस्लिम एकता की एक हृदयस्पर्शी मिसाल देखने को मिली, जब एक मुस्लिम व्यक्ति ने गंभीर रूप से बीमार हिंदू महिला की जान बचाने के लिए अपना खून दान किया। इस नेक काम ने न केवल एक जान बचाई, बल्कि क्षेत्र में भाईचारे का संदेश भी फैलाया। दरअसल, ग्राम पट्टी की रहने वाली सुनीता की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें संभल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच में उनका हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 5 ग्राम प्रति डेसीलीटर पाया गया। डॉक्टरों ने तुरंत ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी, लेकिन परिवार में कोई उपयुक्त डोनर उपलब्ध नहीं था। परिवार वालों को किसी ने 'इंडियन ब्लड ग्रुप संभल' के बारे में बताया, जो जरूरतमंदों

को लगातार रक्त उपलब्ध कराने का काम कर रहा है। जैसे ही ग्रुप के संस्थापक नवेद शान को इसकी सूचना मिली, उन्होंने फौरन दीपा सराय निवासी ग्रुप सदस्य गुलाम नबी को जानकारी दी। गुलाम नबी ने बिना देर किए सारी जांच कराई और सक्सेना ब्लड बैंक पहुंचकर सुनीता के लिए अपना खून दान कर दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। खासकर उस माहौल में, जहां कुछ लोग धर्म के नाम पर दूरी बनाए रखते हैं, गुलाम नबी का यह कदम इंसानियत की मिसाल बन गया। गुलाम नबी ने कहा, कुछ लोग ऐसी ही बातें फैलाते हैं जो समाज को बांटती हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। हमारे लिए पहले इंसानियत आती है। इसी इंसानियत के चलते मैं सुनीता जी के लिए खून देने आया। मैं सभी से अपील करता हूं कि रक्तदान जरूर करें, क्योंकि इससे किसी की जान बच सकती है। यह घटना संभल जैसे क्षेत्र में सकारात्मक संदेश दे रही है, जहां लोग एक-दूसरे की मदद को आगे बढ़कर कर रहे हैं। स्थानीय लोग इस भाईचारे की तारीफ कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि ऐसी मिसालें समाज को एकजुट रखेंगी।

साइकिल और बाइक की टक्कर,चार लोग घायल सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में इस्लामनगर रोड पर शनि मंदिर के निकट मंगलवार शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। साइकिल और बाइक की जबरदस्त भिड़ंत में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुंची 112 पुलिस और 108 एम्बुलेंस ने घायलों को तत्काल सीएचसी बहजोई पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल संभल के लिए रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार हादसा मंगलवार शाम का है, जब गांव चितनपुर निवासी 16 वर्षीय अजमल पुत्र मुनीश साइकिल पर अपने गांव से बहजोई किसी काम से आया था। तभी विपरीत दिशा से आ रही बाइक

ने उसकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक पर सवार युवक- सुल्तानपुर खुर्द निवासी निर्दोष पुत्र विनोद (25) और सुल्तानपुर निवासी आकाश पुत्र वीर बाबू (30) मनोज पुत्र रामकुमार (18) निवासी केशोपुर रसेटा भी इस दुर्घटना में बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना बहजोई की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। चारों ओर भीड़ इकट्ठा हो गई थी, जिसे पुलिस ने नियंत्रित किया। घायलों को 108 एम्बुलेंस से सीएचसी बहजोई ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार प्रदान किया। चिकित्सकों के मुताबिक, चारों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया।

द्वारका एक्सप्रेस-वे और दिल्ली के कई इलाकों में विजिबिलिटी जीरो, अगले कुछ दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार सुबह घने कोहरे की मोटी चादर और जहरीली हवा ने शहर को ढक लिया, जिससे द्वारका एक्सप्रेसवे, धौला कुआं और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने घने कोहरे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और आने वाले कुछ दिनों तक दृश्यता में भारी कमी तथा यात्रा में कठिनाइयों की चेतावनी दी है। इसके साथ ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है, जहां एक्यूआई 384 दर्ज किया गया। अधिकारियों ने लोगों को बाहर कम निकलने की सलाह दी है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने सुबह 7 बजे यात्री एडवाइजरी जारी कर कहा कि कोहरे के कारण पहले हुई बाधाओं के बाद दृश्यता सुधारने पर उड़ान संचालन सामान्य हो गया है। हवाई अड्डे ने आश्वासन दिया कि टर्मिनलों में तैनात अधिकारी यात्रियों की सहायता के लिए उपलब्ध हैं। इससे पहले घने कोहरे ने कई उड़ानों में देरी और रद्दीकरण का कारण बना था, जिस पर इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस ने यात्रियों को परामर्श जारी किया। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, घना कोहरा आने वाले दिनों में विशेषकर सुबह के समय बना रहेगा और दिन चढ़ने पर धीरे-धीरे छंटेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 31 दिसंबर को काफी ऊपर रह सकता है। आकाश अगले चार दिनों तक आंशिक रूप से बादलों से भरा रहेगा और 1 जनवरी 2026 को बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है।

पटेल नगर मेट्रो स्टेशन के पास जाम की स्थिति, ड्रेनेज का चल रहा है काम; पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड द्वारा पटेल नगर मेट्रो स्टेशन के पास चल रहे ड्रेनेज रखरखाव और रिनोवेशन कार्य के कारण 30 दिसंबर को पटेल रोड पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रह सकती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस संबंध में एक एडवाइजरी जारी की है। प्रभावित स्ट्रेच पटेल रोड का वह हिस्सा है जो शादिपुर चौक से आर/ए पूसा होते हुए शंकर रोड की ओर जाता है। इस कार्य से दो लेन प्रभावित हैं, जिससे यातायात धीमा या भारी रहने की संभावना है। नई दिल्ली या करोल बाग की ओर जाने वाले यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग सुझाए गए हैं। शादिपुर चौक से दाहिना मुड़कर लोहा मंडी की ओर जाएं, फिर देव प्रकाश शास्त्री मार्ग से होते हुए इंदरपुरी की ओर बढ़ें। दिल्ली पुलिस ने एडवाइजरी में यात्रियों को सलाह दी गई है कि ट्रैफिक जाम और यात्रा में देरी हो सकती है। इसलिए अपनी यात्रा पहले से प्लान करें तथा सड़क पर तैनात ट्रैफिक कर्मियों के निदेर्शों और साइन बोर्ड का पालन करें।

भ्रष्ट अफसरों पर रेखा सरकार सख्त, प्रदूषण पर सदन में होगी खुली चर्चा; शीशमहल पर क्या बोले मंत्री कपिल मिश्रा?

नई दिल्ली। दिल्ली के कला, संस्कृति और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि रिश्वत लेने या भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिन दो अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है, वही कार्रवाई सभी दोषियों पर लागू होगी। कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में अब भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी, चोरी और लूट नहीं चलेगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि मंत्री परिषद ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में अहम निर्णय लिया है। दिल्ली विधानसभा का सत्र 5 जनवरी से चार दिनों के लिए आयोजित होगा। विधानसभा सत्र में सरकार की ओर से महत्वपूर्ण प्रस्ताव लाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रदूषण के मुद्दे पर विस्तृत और खुली चर्चा की जाएगी। पर्यावरण और प्रदूषण पर सरकार स्वयं प्रस्ताव लेकर आएगी। कहा कि पिछले 20 वर्षों की स्थिति और वैज्ञानिक रिपोर्टें सदन में रखी जाएंगी। प्रदूषण से जुड़ी कमियों और भविष्य की कार्ययोजना पर खुली चर्चा होगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। शीशमहल पर सीएजी की रिपोर्ट सत्र में पेश की जाएगी। दिल्ली जल बोर्ड पर सीएजी की रिपोर्ट भी रखी जाएगी। इसके अलावा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दिल्ली सरकार की विश्वविद्यालयों के संचालन में किस तरह का भ्रष्टाचार हुआ, उस पर भी सीएजी की रिपोर्ट सामने रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता अब झूठ की राजनीति के प्रतीक बन चुके हैं।

दिल्ली में चोरों का आतंक, एटीएम काटकर उड़ाए 20 लाख रुपये; सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में रविवार रात बदमाशों ने एक्सिस बैंक के एक एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर 20 लाख रुपये पार कर दिए। बदमाश वारदात को अंजाम देकर भाग गए। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर आरोपितों का पता लगा रही है। पुलिस एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस का दावा है कि वह जल्द ही बदमाशों को पकड़ लेगी। सोमवार सुबह स्वरूप नगर थाना पुलिस को नत्थूपुरा मार्केट में एक्सिस बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ और रुपये निकलने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। बैंक अधिकारी और रुपये डालने वाली वैन वहां खड़ी थी। वहीं, जांच में पता चला कि बदमाशों ने देर रात एटीएम को गैस कटर से काटकर उससे पैसे निकाल कर ले गए हैं। पुलिस ने जांच में पाया कि घटना को अंजाम देने वाले बदमाश एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे करने के बाद वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में पता चला कि आरोपितों ने रविवार रातको वारदात को अंजाम दिया। फुटेज में नकाबपोश बदमाश दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि बदमाशों ने एक्सिस बैंक के एक एटीएम मशीन को गैस कटर से काटकर 20 लाख रुपये चुरा लिए।

न्यू ईयर पर कनॉट प्लेस के आसपास नो एंट्री, पर घबराइए मत... ये रहेंगे विकल्प; पार्किंग की क्या रहेगी व्यवस्था?

नई दिल्ली। हमेशा की तरह दिल्ली में नव वर्ष का स्वागत बड़े उत्साह और जोश के साथ होगा। नव वर्ष की रात बड़ी संख्या में लोगों के कनॉट प्लेस इलाके में आने की उम्मीद है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कनॉट प्लेस के आस-पास के इलाकों के लिए खास ट्रैफिक इंतजाम किए हैं। इस दौरान कनॉट प्लेस में 31 दिसंबर की शाम सात बजे के बाद वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। कई स्थानों पर वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा, तो कई मार्गों पर डायवर्जन होगा। इसके अलावा कई मार्केट और मार्गों पर वाहनों को खड़ा करने या रोकने की अनुमति नहीं होगी। यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, कनॉट प्लेस की ओर जाने वाले वाहनों को तय पाइंट्स से आगे जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा कनॉट प्लेस के इनर, मिडिल और आउटर सर्कल में बिना ह्यवैलिड पासह्य के किसी भी गाड़ी की एंट्री पर पूरी तरह रोक रहेगी। बताया गया कि कनॉट प्लेस आने वाले लोग अपनी गाड़ियां गोल डाकखाना के आसपास निर्धारित स्थानों पर पार्क कर सकेंगे। इसके लिए काली बाड़ी मार्ग, पंडित पंत मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग पर भी पार्किंग की व्यवस्था की गई है। कनॉट प्लेस में किसी भी प्रकार के वाहनों का नहीं होगा प्रवेश कनॉट प्लेस की ओर जाने वाले वाहनों को

मंडी हाउस, बंगाली मार्केट, रंजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड-दीनदयाल उपाध्याय मार्ग क्रासिंग, मुंजे चौक, चेम्सफोर्ड रोड, आरके आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रासिंग, गोल मार्केट, जीपीओ नई दिल्ली, पटेल चौक, कस्तूरबा गांधी रोड-फिरोजशाह रोड क्रासिंग, जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन और विंडसर प्लेस से आगे आने की अनुमति नहीं होगी। कनॉट प्लेस आने वाले लोगों के लिए यहां होगी पार्किंग की सुविधा कनॉट प्लेस के आसपास सीमित पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगी। इनमें शामिल हैं- गोल डाकखाना के पास काली बाड़ी मार्ग पंडित पंत मार्ग भाई वीर सिंह मार्ग आकाशवाणी के पीछे रकाब गंज रोड पर पटेल चौक के पास। बड़ौदा हाउस तक कोपर्निकस मार्ग पर मंडी हाउस के पास। मिंटो रोड पर दीन दयाल उपाध्याय मार्ग और प्रेस रोड क्षेत्र। पंचकुइयां रोड पर आरके आश्रम मार्ग, चित्रगुप्त रोड और बसंत रोड पहाड़ गंज की ओर। केजी मार्ग पर फिरोजशाह रोड के पास और केजी मार्ग से सी हेक्सागन तक। विंडसर प्लेस के पास राजेंद्र प्रसाद रोड रायसीना रोड दक्षिणी दिल्ली से ऐसे पहुंच सकेंगे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन राम मनोहर लोहिया पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, रानी झांसी रोड, झंडेवालान, देशबंधु गुप्ता रोड। जीपीओ, काली बाड़ी मार्ग, मंदिर मार्ग, रानी झांसी रोड, झंडेवालान, देशबंधु गुप्ता रोड। विंडसर प्लेस, फिरोजशाह रोड, मंडी हाउस, डब्ल्यू-पाइंट- ए-पाइंट, डीडीयू मार्ग, बीएचएवी भूती मार्ग।

कनॉट प्लेस, चेम्सफोर्ड रोड से प्रवेश वर्जित होगा। वाहन चालक अजमेरी गेट के दूसरे गेट से एंट्री ले सकते हैं। वे पहाड़गंज शीला सिनेमा होते हुए या फिर जेएलएन मार्ग की ओर से बहादुरशाह जफर मार्ग (दिल्ली गेट) जवाहरलाल नेहरू मार्ग होते हुए अजमेरी गेट से होकर स्टेशन तक पहुंच सकते हैं।

'दिल्ली के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएं या आवारा कुत्ते गिनें', केजरीवाल का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा शासित दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को बच्चों की पढ़ाई छोड़कर सड़कों पर आवारा कुत्तों की गिनती करने का आदेश दिया गया है। अपने एक्स पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि यह आदेश भाजपा की सोच और प्राथमिकताओं को उजागर करता है, जहां शिक्षा को कोई महत्व नहीं दिया जा रहा और शिक्षकों का अपमान करते हुए स्कूलों को बर्बाद किया जा

रहा है। उन्होंने पूर्व आप सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनकी सरकार ने शिक्षकों को सम्मान दिया, गैर-जरूरी बोझ हटाया, विदेशी ट्रेनिंग दी और बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता बनाया, लेकिन अब भाजपा सब कुछ नष्ट करने पर तुली है। दिल्ली सरकार ने इन आरोपों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती या वैक्सीनेशन जैसे कार्यों के लिए तैनात नहीं किया गया है और यह दावे पूरी तरह गलत हैं। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आप नेताओं को चुनौती दी कि यदि ऐसा कोई सर्कुलर है तो उसे सार्वजनिक करें, अन्यथा झूठ फैलाने का आरोप लगाया। सरकार का कहना है कि एक आदेश के तहत स्कूलों में शिक्षकों को कुत्तों से संबंधित शिकायतों के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है, लेकिन यह स्कूल परिसर तक सीमित है और पढ़ाई में कोई बाधा नहीं डालेगा।

दिल्लीवाले ध्यान दें! न्यू ईयर पर सीपी और इंडिया गेट जाने से पहले पढ़ लें यह नियम; ट्रैफिक अलर्ट जारी

नई दिल्ली। नववर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर कनॉट प्लेस और उसके आसपास के क्षेत्रों में अपेक्षित भीड़ को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने निजी और प्राइवेट वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी है। पुलिस ने सुरक्षा और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रैफिक नियम लागू किए हैं। 31 दिसंबर 2025 को शाम 7 बजे से न्यू ईयर सेलिब्रेशन खत्म होने तक यह प्रभावी रहेंगे। इस दौरान सभी निजी और सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर प्रतिबंध लागू होगा, जब तक कि विशेष अनुमति न दी गई हो। कोई भी वाहन कनॉट प्लेस की ओर इन बिंदुओं से आगे नहीं बढ़ सकेगा- मंडी हाउस गोलचक्कर, बंगाली मार्केट गोलचक्कर, रंजीत सिंह फ्लाईओवर का उत्तरी छोर, मिंटो रोड-डीडीयू मार्ग क्रॉसिंग, चेल्म्सफोर्ड रोड (मुंजे

चौक के पास), आर.के. आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रॉसिंग, गोल मार्केट गोलचक्कर, जीपीओ गोलचक्कर, पटेल चौक, कस्तूरबा गांधी रोड-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग, जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन और विंडसर प्लेस गोलचक्कर। वहीं पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। गोल डाक खाना के निकट काली बारी मार्ग, पंडित पंत मार्ग और भाई वीर सिंह मार्ग पर पार्किंग उपलब्ध होगी। अन्य निर्धारित पार्किंग क्षेत्रों में रकाब गंज रोड (एआईआर के पीछे), कॉपरनिकस मार्ग (बारोडा हाउस तक), डीडीयू मार्ग और प्रेस रोड (मिंटो रोड के पास), आर.के. आश्रम मार्ग, चित्रगुप्त रोड व बसंत रोड, कोपरनिकस लेन और कस्तूरबा गांधी मार्ग (सी-हेक्सागन की ओर), बाबर रोड व तानसेन मार्ग, विंडसर प्लेस (राजेंद्र प्रसाद रोड व रायसीना रोड), पेशवा रोड व भाई वीर सिंह मार्ग के साथ सर्विस रोड तथा जंतर मंतर रोड व रायसीना रोड शामिल हैं। उत्तर-दक्षिण दिशा में यातायात के लिए वैकल्पिक मार्गों में रिंग रोड (आईएसबीटी से आश्रम), दिल्ली गेट-बहादुर शाह जफर मार्ग-मथुरा रोड तथा रानी झांसी मार्ग-पंचकुइयां रोड-मंदिर मार्ग (हनुमान मूर्ति से रिंग रोड तक) सुझाए गए हैं। पूर्व-पश्चिम दिशा में रिंग रोड-भैरों रोड-मथुरा रोड, सुभाष भर्ती मार्ग-मदर टेरेसा क्रेसेंट तथा पार्क स्ट्रीट-शंकर रोड का उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि प्रभावित सड़कों से जहां तक संभव हो बचें, अपनी यात्रा पहले से अच्छी तरह योजना बनाएं तथा आईएसबीटी, रेलवे स्टेशन या हवाई अड्डे जाने वाले यात्रियों को पर्याप्त अतिरिक्त समय रखना चाहिए ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

'एएपी को भ्रष्टाचारियों से इतना प्रेम क्यों है?' दिल्ली के गृह मंत्री का हमला- सबूत दें या मांगें माफी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में हार के दस महीने बाद भी आप पार्टी हार नहीं पचा पाई है और लगातार इंटरनेट मीडिया के जरिए झूठ और दुष्प्रचार फैला रही है। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने के लिए पूरे दिन योजनाबद्ध कैंपेन चलाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर प्रशासन और सरकार के खिलाफ भ्रम फैलाया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर यह झूठ फैलाया गया कि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती के काम में लगाया गया है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर ऐसा कोई सर्कुलर या आदेश मौजूद है, तो आम आदमी

पार्टी उसे सार्वजनिक करे, अन्यथा जनता से माफी मांगे। उन्होंने कहा कि तहसीलदार और सब-इंस्पेक्टर के सस्पेंशन के मामलों में भी प्रशासन के खिलाफ गलत नैरेटिव फैलाया गया। जब भी भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई होती है, आम आदमी पार्टी उनके समर्थन में खड़ी नजर आती है। आशीष सूद ने सवाल उठाया कि आम आदमी पार्टी को भ्रष्टाचारियों से इतना प्रेम क्यों है? उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है और आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। मंत्री ने 25 तारीख को फैलाए गए एक और कथित झूठ का जिक्र करते हुए कहा कि यह अफवाह उड़ाई गई कि सांता क्लॉज बनकर आने वाले बच्चों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सवाल किया कि अगर ऐसा कोई आदेश था तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? इसके अलावा डीएसएसएसबी की आयु-सीमा बढ़ाने को लेकर भी आम आदमी पार्टी पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया गया। मंत्री ने कहा कि डीएसएसएसबी दिल्ली सरकार के अधीन आता है और भर्ती उसकी जिम्मेदारी है, बावजूद इसके केंद्र सरकार का बहाना बनाकर जनता को गुमराह किया गया। प्रेसवार्ता के अंत में मंत्री आशीष सूद ने फिर दोहराया कि अगर शिक्षकों से कुत्तों की गिनती कराने का कोई आदेश है, तो आम आदमी पार्टी उसे सार्वजनिक करे, अन्यथा झूठ फैलाने के लिए माफी मांगे।

'मां की आय ज्यादा तो पिता बच्चों के भरण-पोषण से मुक्त नहीं', दिल्ली एचसी ने समझाया जिम्मेदारी का चैप्टर

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि केवल इस आधार पर मां की आय ज्यादा है, पिता अपने नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि बच्चों का पालन-पोषण दोनों माता-पिता की कानूनी, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है और किसी एक की अधिक आय दूसरे की जिम्मेदारी खत्म नहीं करती। दलीलों के सहारे जिम्मेदारी से बच नहीं सकता न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि मां की आय अधिक है और उसकी कस्टडी में बच्चे हैं, वे पहले से ही कमाने के साथ-साथ प्राथमिक देखभालकर्ता की दोहरी जिम्मेदारी निभा रही है। ऐसे में पिता अपनी आय छुपाकर या तकनीकी दलीलों के सहारे जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। अदालत ने कहा कि कानून किसी भी कार्यशील मां को शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से थका देने की इजाजत नहीं देता, जबकि पिता अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट जाए। यह फैसला उस मामले में आया, जिसमें एक व्यक्ति ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने दिसंबर 2023 में पति को तीनों बच्चों के लिए 30 हजार रुपये मासिक अंतरिम भरण-पोषण देने का आदेश दिया था, जिसे सत्र अदालत ने भी बरकरार रखा। पति ने हाई कोर्ट में दावा किया कि उसकी आय केवल नौ हजार रुपये है, जबकि पत्नी की 34,500 रुपये, इसलिए उस पर पूरा भार डालना कानून के सिद्धांतों के खिलाफ है। उसने पत्नी पर कानून के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। पत्नी ने तर्क दिया कि बच्चों की पढ़ाई, देखभाल, इलाज और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी तरह उसी पर हैं और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पिता से खत्म नहीं हो सकती। अदालत ने टिप्पणी की कि पत्नी का आचरण निर्भरता नहीं बल्कि जिम्मेदारी का भाव दशार्ता है और पिता को अपने बच्चों के प्रति कर्तव्य का एहसास कराना उसका अधिकार है।

दिल्ली में डीडीए के दावों की उड़ीं धज्जियां, अफसरों की मिलीभगत से यमुना खादर में फिर हुआ बड़ा 'खेल'

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली में मयूर विहार के यमुना खादर में अवैध झुग्गियां फिर से बस गई हैं। यह हालात तब है जब डीडीए ने इस वर्ष खादर में करीब 10 बार कार्रवाई कर झुग्गियों को ध्वस्त किया था। डीडीए की कार्रवाई की धज्जियां उड़ाते हुए लोगों ने फिर से यहां पर अपने आशियानें बना लिए हैं। ऐसा नहीं है कि डीडीए को इसकी भनक नहीं है। आरोप है कि डीडीए के स्थानीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ सांठगांठ करके सरकारी जमीनों पर अवैध झुग्गियां बसाई जा रही हैं। मयूर विहार यमुना खादर में जगह-जगह लोगों ने झुग्गियां बसा ली हैं। इसमें कुछ अस्थायी किराने की दुकानें भी हैं। यमुना खादर कई किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। करीब आठ हजार लोग अवैध रूप से झुग्गियों में रह रहे हैं। यह वह लोग हैं जो खादर में खेती करते हैं। रिहायशी क्षेत्रों में सब्जी व अन्य सामाग्री बेचने का काम करते हैं। मूलरूप से उत्तर प्रदेश व बिहार और बंगाल के रहने वाले हैं। यहां 800 रुपये लेकर 1500 रुपये तक झुग्गियां किराये पर भी हैं। माफिया लोगों ने जगह को घेर रखा है और उसपर झुग्गियां बसाई हुई हैं। यहां बिजली नहीं है। झुग्गी में रहने वाले लोग सोलर पैनल का इस्तेमाल कर रहे हैं। झुग्गयों के साथ ही अवैध रूप से यहां नर्सरियां भी चल रही हैं। डीडीए ने मयूर नेचर पार्क बनाने के लिए मयूर विहार के सामने यमुना खादर में 22 से 25 अप्रैल के बीच अभियान चलाया था। यहां अवैध रूप से बसी झुग्गियों, नर्सिरियों पर बुलडोजर चला दिया गया था। अगस्त माह में यमुना का जलस्तर बढ़ने से यमुना खादर में पानी भर गया था। इससे कुछ ही दिनों पहले प्रशासन ने डीडीए के साथ मिलकर झुग्गियों को हटाया था। उसके बाद फिर से यहां पर झुग्गियां बस गईं।

रेहान वाड्रा के बारे में कितना जानते हैं आप? मामा राहुल गांधी और मां प्रियंका गांधी वाड्रा को भी है गर्व

नई दिल्ली। नेहरू-गांधी परिवार की विरासत से ताल्लुक रखने वाले रेहान वाड्रा इस वक्त अवीवा बेग से अपनी सगाई की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी लॉन्ग-टाइम पार्टनर और मशहूर विजुअल आर्टिस्ट अवीवा बेग के साथ जीवन की नई शुरूआत करने का फैसला किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहानसिर्फ एक हाई-प्रोफाइल नाम नहीं, बल्कि कला की दुनिया का एक उभरता हुआ सितारा हैं? उनकी आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, रेहान ने सत्ता के गलियारों के बजाय कैमरे के लेंस को अपनी जुबां बनाया है। आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ अनकही बातें: स्व सिखाया फोटोग्राफर हैं रेहान बताया जाता है कि रेहान का फोटोग्राफी का सफर मात्र 10 साल की उम्र में शुरू हो गया था। वे खुद को एक 'स्व-शिक्षित' फोटोग्राफर मानते हैं। वाइल्डलाइफ, स्ट्रीट और कमर्शियल फोटोग्राफी उनकी विशेषज्ञता रही है, लेकिन उनकी असली पहचान उनके 'इमर्सिव आर्ट इंस्टॉलेशन' से बनी है। अब तक लगा चुके हैं तीन एग्जीबिशन डार्क परसेप्शन (2021): इनकी पहली

प्रदर्शनी 'अंधेरे' और 'नियंत्रण' के विचार पर केंद्रित थी। अनुमान (2022): यह शो 'पसंद और स्वतंत्रता' के दर्शन पर आधारित था। उपमाना (2024): इसमें उन्होंने धातु और दर्पण की तस्वीरों के जरिए मानवीय स्वभाव में 'तुलना' के भाव को दशार्या है। 'आप इसे मिस नहीं कर सकते' आर्ट कलेक्टिव रेहान सिर्फ एक कलाकार ही नहीं, बल्कि एक क्यूरेटर भी हैं। उन्होंने 'आप इसे मिस नहीं कर सकते' नाम से एक स्वतंत्र आर्ट कलेक्टिव की सह-स्थापना की है। इसका मकसद उभरते हुए कलाकारों को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे बेबाकी से अपनी कला का प्रदर्शन कर सकें। अवीवा बेग ने भी इस कलेक्टिव के तहत अपने काम का प्रदर्शन किया है। देहरादून के द दून स्कूल से पढ़ाई करने के बाद रेहान ने लंदन की एसओएएस यूनिवर्सिटी से राजनीति में उच्च शिक्षा प्राप्त की। हालांकि, उनकी वेबसाइट और साक्षात्कारों से स्पष्ट होता है कि उनका झुकाव मानवीय संवेदनाओं, स्मृति और अनुभवों को विजुअल रूप देने में अधिक है। अवीवा और रेहान: कला का संगम रेहान और अवीवा बेग के बीच की सबसे बड़ी कड़ी 'कला' ही है। दोनों ही फोटोग्राफी और विजुअल आर्ट्स के क्षेत्र में सक्रिय हैं। जहां अवीवा साधारण जीवन की सादगी को कैमरे में कैद करती हैं, वहीं रेहान जटिल दार्शनिक विचारों को अपनी प्रदर्शनी का हिस्सा बनाते हैं। अब यह कलात्मक जोड़ी अपनी नई निजी पारी शुरू करने जा रही है।

हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा के नियम बदले, लिखित परीक्षा में अब 600 अंकों के 6 पेपर

चंडीगढ़: हरियाणा सरकार ने सिविल सेवा परीक्षा के नियमों में बदलाव किया है। अब मुख्य लिखित परीक्षा में चार की बजाय कुल 600 अंकों के छह प्रश्नपत्र होंगे। इसमें अंग्रेजी, हिंदी और चार सामान्य अध्ययन के पेपर शामिल हैं। पर्सनालिटी टेस्ट 75 अंकों की होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में इसी महीने हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बदले हुए नियमों पर मुहर लगने के बाद मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। बदले हुए नियमों के अनुसार, मुख्य लिखित परीक्षा में छह प्रश्नपत्र होंगे, जो कि 600 अंकों के रहेंगे। अंग्रेजी और हिंदी का पेपर प्रत्येक 100-100 अंकों का होगा।इसके अलावा चार जनरल स्टडीज के पेपर होंगे और प्रत्येक 100-100 अंकों के रहेंगे। पहले चार पेपर हुआ करते थे, जिनमें बदलाव किया गया है।

हिंदी-अंग्रेजी दोनों भाषा में तैयार होंगे प्रश्नपत्र

प्रश्न पत्र एक अंग्रेजी (अंग्रेजी निबंध सहित) होगा, जबकि प्रश्न पत्र दो हिंदी (हिंदी निबंध सहित) रहेगा। प्रश्न पत्र तीन सामान्य अध्ययन-वन का होगा, जबकि प्रश्न पत्र चार सामान्य अध्ययन-टू का रहेगा। प्रश्न पत्र पांच सामान्य अध्ययन-तीन और प्रश्न पत्र छह सामान्य अध्ययन-चार का होगा। परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र परंपरागत (निबंध) प्रकार का होगा।

भूतपूर्व सैनिकों को सभी पेपरों में बैठना अनिवार्य

मुख्य लिखित परीक्षा में सम्मिलित किए जाने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या समान अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार, अगर कोई होगा, सहित विज्ञापित रिक्तियों की संख्या से बारह गुणा होगी। इसी प्रकार पर्सनालिटी टेस्ट के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों की कुल संख्या समान अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार, यदि कोई होगा, सहित विज्ञापित रिक्तियों का तीन गुणा होगी। भूतपूर्व सैनिकों और भूतपूर्व सैनिकों के आश्रितों को सभी पेपरों में बैठना अनिवार्य होगा।सेलेक्शन के लिए कितना नंबर लाना होगा?

किसी भी उम्मीदवार को व्यक्तित्व/मौखिक परीक्षा के लिए तब तक नहीं बुलाया जाएगा, जब तक उसने सभी लिखित पेपरों के कुल योग के कम से कम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त न किए हों और हिंदी व अंग्रेजी भाषा में प्रत्येक में कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त न किए हों। जहां बेंचमार्क दिव्यांगता वाले उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं होंगे, हरियाणा राज्य लोक सेवा आयोग 45 प्रतिशत अंकों की उक्त सीमा को घटा कर 35 प्रतिशत अंक तक कर सकता है।

अंतिम चयन, उम्मीदवारों द्वारा प्रयोग किए गए सेवा के अधिमान को ध्यान में रखते हुए मुख्य लिखित परीक्षा तथा व्यक्तित्व/मौखिक परीक्षा अर्थात 675 अंकों में से उम्मीदवार द्वारा प्राप्त किए गए कुल अंकों के आधार पर तैयार की जाने वाली वरिष्ठता सूची पर आधारित होगा।

अंबाला में जुआ खेलते 19 लोग गिरफ्तार, जुआरियों का कोर्ट तक निकाला पैदल मार्च

अंबाला : अंबाला पुलिस ने अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। शहर के व्यस्ततम इलाके जगाधरी गेट पर स्थित एक दुकान में छापेमारी कर पुलिस ने 19 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके के असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। पुलिस टीम ने जब दुकान के अंदर दबिश दी, तो वहां बड़ी संख्या में लोग जुआ खेल रहे थे। पकड़े गए 19 लोगों में एक नाबालिग भी शामिल था। पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए और कानून के नियमों का पालन करते हुए नाबालिग को हिरासत में लेने के बजाय उसके परिजनों को बुलाया और उसे उनके सुपुर्द कर दिया। साथ ही परिजनों को हिदायत दी गई कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें।इस कार्रवाई की सबसे खास बात यह रही कि पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों को सरकारी गाड़ी में ले जाने के बजाय पैदल ही अंबाला कोर्ट तक ले जाने का फैसला किया। शहर के बीचों-बीच से पुलिस के कड़े पहरे में गुजरते इन जुआरियों का यह 'पैदल मार्च' चर्चा का विषय बना रहा। पुलिस का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से समाज में एक कड़ा संदेश जाता है और अपराध करने वालों में कानून का खौफ पैदा होता है।

इन किसानों को हरियाणा सरकार का तोहफा, अब योजनाओं का लाभ लेने में ट्रैक्टर नहीं बनेगा बाधा

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति (रउ) श्रेणी के किसानों को खेती में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम फैसला लिया है। राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए एससी किसानों को ट्रैक्टर खरीदने पर अनुदान देने की योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 45 हॉर्स पावर (HP) तक के ट्रैक्टर की खरीद पर अधिकतम 3 लाख रुपये या ट्रैक्टर की कुल कीमत का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में दिया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अनुसार, इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक किसान 15 जनवरी तक विभाग के पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजना की एक प्रमुख शर्त यह है कि किसान मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकृत हों। इसके अलावा एससी श्रेणी के किसान के पास कृषि भूमि का स्वामित्व होना जरूरी है, हालांकि परिवार पहचान पत्र (PPP) में दर्ज परिवार के किसी भी सदस्य के नाम भूमि होना भी मान्य होगा। योजना का लाभ वही किसान उठा सकेंगे जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में किसी भी सरकारी योजना के तहत ट्रैक्टर पर अनुदान प्राप्त नहीं किया हो। आवेदन जिलावार मांगे गए हैं और प्राप्त आवेदनों की संख्या के आधार पर प्रत्येक जिले का लक्ष्य तय किया जाएगा। यदि किसी जिले में आवेदन निर्धारित लक्ष्य से अधिक हो जाते हैं, तो उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय कार्यकारी समिति (DLEC) द्वारा लॉटरी यानी ड्रॉ के माध्यम से चयन किया जाएगा। चयनित किसानों को दस्तावेज सत्यापन के लिए सहायक कृषि अभियंता (AAE) कार्यालय बुलाया जाएगा। सत्यापन पूरा होने के बाद पात्र किसानों को ऑनलाइन परमिट जारी किया जाएगा, जिसके बाद 15 दिनों के भीतर ट्रैक्टर खरीदना अनिवार्य होगा।ट्रैक्टर की खरीद के बाद ओटीपी के जरिए डीलर, निमार्ता और किसान का सत्यापन किया जाएगा। बीमा, आरटीओ पंजीकरण, लोकेशन आधारित फोटो समेत सभी दस्तावेज अनिवार्य होंगे। अनुदान पर खरीदा गया ट्रैक्टर अगले पांच वर्षों तक बेचा नहीं जा सकेगा। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अनुदान की राशि सीधे किसान के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

दुबई में जीत दर्ज कर लौटे बॉक्सर नीरज, स्वदेश पहुंचते ही मिली यह बड़ी जिम्मेदारी

यमुनानगर : दुबई में शानदार जीत दर्ज कर स्वदेश लौटे शहर के अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर नीरज गोयत का नगर निगम कार्यालय में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम की ओर से उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया गया। समारोह में मेयर सुमन बहमनी, नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद, अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक सहित नगर निगम के अधिकारियों ने बॉक्सर को पुष्पगुच्छ व फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर नगर निगम की ओर से नीरज गोयत को नगर निगम यमुनानगर का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया। इस घोषणा पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। बॉक्सर ने अपने मुक्के से दुबई के बॉक्सर को ऐसा पछाड़ा की नगर निगम ने उन्हें यमुनानगर का ब्रांड एंबेसडर बनाने में देरी नहीं की। मेयर सुमन बहमनी ने अपने संबोधन में कहा कि नीरज गोयत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर न केवल यमुनानगर बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। मेयर ने कहा कि ब्रांड एंबेसडर के रूप में नीरज गोयत शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और खेलों के प्रति जागरूक बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। समारोह में बॉक्सर नीरज गोयत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अपनी सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि दुबई में मुकाबला आसान नहीं था, लेकिन निरंतर अभ्यास, कोच का मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग से वह जीत हासिल कर सके। नीरज ने कहा कि वे ब्रांड एंबेसडर के रूप में वे नगर निगम के साथ मिलकर स्वच्छता, फिटनेस और खेलों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे।

भाजपा ने धर्म और सम्प्रदाय की राजनीति शुरू कर लोगों को लड़ाने का कार्य किया : चौ. बीरेंद्र सिंह

पलवल : पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि पूर्व सांसद बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सद्भाव यात्रा हरियाणा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में चल रही है। इस यात्रा का उद्देश्य प्रदेश में भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना है। सद्भाव यात्रा को लेकर चौधरी बीरेंद्र सिंह ने मंगलवार को पलवल स्थित जाट धर्मशाला में कांग्रेस पार्टी एवं किसान संगठन के प्रतिनिधियों की ली। बैठक में पलवल जिला में सद्भाव यात्रा की रूपरेखा बनाई गई और यात्रा के सफल आयोजन को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गई। हालांकि इस दौरान भूपेंद्र हुड्डा खेमे के बड़े नेता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, पूर्व मंत्री करन दलाल एवं पृथला विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया नदारद रहे। जब उनसे इस बावत सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं और हुड्डा आपस में रिश्तेदार हैं, पूर्व मंत्री करन दलाल और हुड्डा आपस में रिश्तेदार हैं हम आपस में सहमति बना लेंगे।

विपक्ष पर वार करते हुए चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा किसान विरोधी पार्टी है। भाजपा ने देश की सेना को कमजोर करने का कार्य किया है। भाजपा सरकार ने अग्निवीर योजना से देश के युवाओं के साथ अन्याय किया जा रहा है। जो देश हित में नहीं है। हरियाणा प्रांत में भाजपा का कोई हथियार काम नहीं आया तो उन्होंने धर्म और सम्प्रदाय की राजनीति शुरू कर लोगों को आपस में लड़ाने का कार्य किया। भाजपा ने हरियाणा प्रदेश के सामाजिक ढांचे को तोड़ने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को दोबारा से बनाने के लिए राहुल गांधी के मार्गदर्शन से पूर्व सांसद बिजेंद्र सिंह सद्भाव पदयात्रा निकाल रहे है। वहीं जिलाध्यक्ष नेत्रपाल अधाना ने कहा कि यात्रा को लेकर रूपरेखा तैयार की जा रही है और पलवल जिले में यात्रा का सफल आयोजन होगा। बता दें कि सद्भाव यात्रा 4 जनवरी को पलवल जिला की सीमा में प्रवेश करेगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 4 व 5 जनवरी को होडल में और 6 व 7 जनवरी को हथीन में तथा 8 व 9 जनवरी पलवल में पदयात्रा होगी। यह पदयात्रा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के गांवों से निकलेगी और लोगों से जनसंपर्क करेगी।

भारतीय वायूसेना में फ्लाइंग ऑफिसर की पद पर तैनात हुई हरियाणा की बेटी, हासिल किया चौथा रैंक

बराड़ा : बराड़ा के गांव कंबास की बेटी ईशा भारतीय वायूसेना में फ्लाइंग ऑफिसर की पद पर तैनात हुई हैं। उसकी इस उपलब्धि पर उसके माता-पिता समेत परिवार, सरपंच व गांव में खुशी का माहौल है। गांव की सरपंच पूजा और अध्यापक जसबीर सिंह ने परिवार का मुंह मीठा करवाकर उन्हें बधाई दी। इशा के परिजनों ने बताया कि ईशा का ऑल इंडिया में चौथा रैंक आया है। उसके पिता सोमनाथ हरियाणा पुलिस में हैं जबकि मां संगीता गृहणी हैं। ईशा की छोटी बहन एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है। तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी और एक साधारण से परिवार की ईशा की इस बड़ी उपलब्धि से पूरे परिवार का सिर फख्र से उठ गया है। सरपंच पूजा और मास्टर जसबीर सिंह ने ईशा के माता-पिता को बधाई दी और मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा करवाया।

पूजा ने कहा कि बेटियां पढ़-लिखकर देश और अपने माता का नाम रोशन कर रही हैं। ईशा ने भी अपने गांव का नाम देशभर में चमकाया है। उल्लेखनीय है कि पूजा भी पढ़ी लिख सरंपच हैं।

वह भी डबल एमए के साथ जेबीटी की पढ़ाई कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भी बेटियों को पढ़ाने पर जोर दे रही है। समाज की अन्य बेटियों को भी ऐसी होनहार बेटियों से सीख लेनी चाहिए और अच्छा मुकाम हासिल करना चाहिए। सरपंच ने कहा कि गांव में बेटियों को पढड़े के लिए वह प्रेरित करती रहती हैं और हमेशा मदद के लिए तैयार हैं। वहीं, साथ लगते गांव कंबासी निवासी और बराड़ा मार्केट कमेटी के चेयरमैन कुलराज शर्मा ने भी इशा और उसके परिवार को बधाई दी। ईशा अपनी ट्रेनिंग के लिए बीते कल हैदराबाद में रवाना हो गई। पिता सोमनाथ ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है, जिसने अपनी मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया।

काले सोने की खदान बन गया बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट

गुड़गांव : बंधवाड़ी में कचरा निस्तारण के लिए बनाया गया नगर निगम का प्रोजेक्ट अब अरावली को खत्म करता जा रहा है। अरावली से ऊंचा पहाड़ इन दिनों बंधवाड़ी के कचरा निस्तारण प्लांट में कूड़े का लगा हुआ है। इस प्लांट को खत्म करने के लिए नगर निगम अधिकारियों ने दर्जनों योजनाएं बनाई। करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन इस कूड़े के पहाड़ को खत्म करने में नाकाम रहे। हालात यह है कि इस कूड़े के पहाड़ ने अरावली के एक हिस्से को खत्म कर दिया। वहीं, इस कूड़े के पहाड़ को खत्म करने के लिए लगातार टेंडर छोड़े जा रहे हैं, लेकिन कचरे का पहाड़ खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। मानों यह कूड़े का पहाड़ नहीं बल्कि काले सोने की खदान बन गया। साल 2008 में नगर निगम गुड़गांव के गठन के बाद साल 2009-10 में बंधवाड़ी में कचरा निस्तारण के लिए बंधवाड़ी में करीब 30 एकड़ स्थान को चिन्हित किया गया था। इस कचरा निस्तारण प्लांट में गुड़गांव और फरीदाबाद से रोजाना 2 हजार टन कूड़ा लाकर निस्तारण करने का लक्ष्य रखा गया था। यहां बिजली उत्पादन का भी संयंत्र लगना था, लेकिन अरावली को नुकसान पहुंचने की आशंका के कारण बिजली संयंत्र नहीं लग सका। दो साल के टेंडर के बाद नगर निगम द्वारा इस कचरा निस्तारण प्लांट के टेंडर को एक्सटेंशन दे दी गई। ताकि गुड़गांव और फरीदाबाद से आ रहे कूड़े का निस्तारण किया जा सके। इसी बीच साल 2012-13 में कचरा निस्तारण प्लांट बंद हो गया और प्लांट में आग लग गई। इस दौरान मशीनरी जलकर राख हो गई और कचरा निस्तारण न होने पर यहां कूड़े का पहाड़ लगने लगा। यहां लाखों टन कूड़े का पहाड़ बन गया और इसके निस्तारण के नाम पर कई योजनाएं बनी, लेकिन कोई भी योजना इस पहाड़ को खत्म नहीं कर पाई। देखते ही देखते यहां कूड़े के पहाड़ ने अरावली की पहाड़ी से भी बड़ा रूप ले लिया।पर्यावरणविद् एवं पूर्व आईएफएस अधिकारी आर पी बलवान की मानें तो इस कचरे के पहाड़ से निकलने वाले लीचेड ने भूजल को दूषित कर दिया। आसपास रहने वाले लोगों की मानें तो इस लीचेड से करीब दो किलोमीटर के दायरे का भूजल दूषित हो चुका है। आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों को यहां कूडे.के कारण हुए प्रदूषण से कैंसर जैसी घातक बीमारियां भी हो गई हैं। इस कचरे के पहाड़ के कारण अरावली के जीव जंतु भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस कचरे के पहाड़ को खत्म करने की अपील की है। लोगों के इस आग्रह पर कई मंत्री सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी भी यहां आए और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर इस कचरे के पहाड़ को खत्म करने की कई योजनाएं बनाई, लेकिन यह सभी योजनाएं इस पहाड़ को खत्म नहीं कर पाई। वहीं, पर्यावरणविद एवं रिटायर्ड अधिकारी की मानें तो कचरा निस्तारण के लिए पहले जिन कंपनियों को टेंडर दिया गया उन कंपनियों की तरफ से अपना कार्य ईमानदारी से नहीं किया गया। किसी को नगर निगम द्वारा भुगतान न करने के कारण कार्य को बीच में ही छोड़ दिया गया तो किसी कंपनी ने इस कचरे के पहाड़ को सोने की खदान बना लिया। हाल ही में यहां कचरा निस्तारण के नाम पर बड़ा खेल भी चल रहा था। यहां कूड़ा उठान कर उसे दूसरे स्थान पर भेजने के नाम पर बड़ा खेल भी खेला गया। यहां से कूड़े के ट्रक भरकर दूसरे राज्यों में निस्तारण के नाम पर भेजने का दावा किया गया, लेकिन हकीकत यह रही कि इस कूड़े से बंधवाड़ी के आसपास के गांवों में अरावली की 80 से 100 फीट गहरी खाई को भी बंद कर उसके ऊपर से मिट्टी डाल दी गई ताकि कचरा निस्तारण के नाम पर चल रहे घालमेल की किसी को भनक न लगे। इससे अरावली में बने नेचुरल ड्रेन भी खत्म हो गए। रिटायर्ड अधिकारी की मानें तो हाल ही में कूड़े के नापतोल के नाम पर हो रही गड़बड़ी भी सामने आई जिसमें कूड़े के नाप तोल के नाम पर करीब 23 लाख रुपए का घोटाला किया गया। यह पूरा मामला सीएम फ्लाइंग ने रेड कर उजागर किया और स्थानीय थाना पुलिस को शिकायत देकर केस भी दर्ज कराया। मामले में अभी पुलिस द्वारा भी जांच की जा रही है।

खबर एक्सप्रेस

2 सगे भाइयों ने दोस्त के साथ की दरिंदगी, घटना बताने पर दी धमकी

पानीपत : पानीपत जिले के गांव गड़ी बेशक में एक सनसनीखेज और गंभीर मामला सामने आया है। यहां पर पहले तो 2 सगे भाइयों ने अपने ही दोस्त के साथ कुकर्म किया और घटना का खुलासा करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। बताया जा रहा है कि आरोपियों को डर था कि पीड़ित युवक इस घटना की जानकारी किसी को न दे दे। इसी डर के चलते आरोपियों ने युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। युवक के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर उसके चाचा और बहन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक आग की लपटों में बुरी तरह घिर चुका था। जब तक परिजनों ने आग को बुझाया वह लगभग 50 प्रतिशत तक जल चुका था। आग बुझाते वक्त युवक के चाचा के हाथ भी झुलस गए। आनन-फानन में परिजन युवक को पानीपत के सामान्य अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने पीड़ित युवक के बयान दर्ज कर मामला दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि दोनों सगे भाई वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई कर आरोपी भाइयों की तलाश शुरू कर दी है।

दम्पति ने जहरीला पदार्थ खाकर की खुदकुशी, मामले की जांच में जुटी पुलिस

सिरसा : हरियाणा के सिरसा जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक दम्पति ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस घटना की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली तो चौपटा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। इस घटना से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है और लोग उनके घर पहुंचना शुरू हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मृतकों की पहचान खेड़ी गांव के 63 वर्षीय रामचंद्र पुत्र कानाराम और उनकी 60 वर्षीय पत्नी महेंद्रो देवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, महिला पिछले काफी समय से बीमार रहती थी। सोमवार देर शाम को दम्पति ने एक साथ कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया, जिससे दोनों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन महेंद्रो देवी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया जबकि रामचंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में मिला शव, शरीर और धड़ दोनों अलग, मृत व्यक्ति एक टांग से अपाहिज

कुरुक्षेत्र : थीम पार्क में सिर कटी लाश मिली है। जिसके बाद आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है । सूचना मिलते ही तमाम पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची है। और जांच में जुट गई है। लाश के पास से खून से सना हुआ एक चाकू भी बरामद हुआ है। मौके पर एएसपी प्रतीक गहलोत भी पहुंचे हैं। एएसपी प्रतीक गहलोत ने जानकारी देते हुए कहा कि सूचना मिलने पर पुलिस की तमाम टीम में मौके पर पहुंची है। और कुरुक्षेत्र के थीम पार्क में गर्दन कटी हुई एक लाश मिली है। जिसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की गर्दन नहीं मिली है। जिसकी तलाश की जा रही है। व्यक्ति एक टांग से अपाहिज है और नकली की टांग लाश के पास से मिली है। उन्होंने कहा कि तमाम पुलिस की टीम जांच में जुटी हुई है। और एक टीम अलग से गर्दन ढूंढने के लिए लगाई गई है। और लाश के पास से ही एक खून से सना हुआ चाकू भी बरामद हुआ है। ASP प्रतीक गहलोत ने कहा कि इस तरह के चाकू बनाने वाले की भी तलाश की जाएगी।

वर्ष 2025,अहम रही राजेश खुल्लर चीफ प्रिंसिपल सैक्ट्री के रूप में भूमिका, प्रशासनिक कार्यों में दक्षता का उनके अंदाज के सभी फैन

चंडीगढ़ : सेवानिवृत आई ए एस राजेश खुल्लर को नायब सिंह सैनी सरकार पार्ट 2 में अहम जिम्मेदारी चीफ प्रिंसिपल सैक्ट्री की भूमिका में हैं।खुल्लर सैनी पार्ट 1 में व उससे पहले मनोहर पार्ट 2 में भी इसी पद पर थे।हरियाणा कर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल के लिए चाणक्य की भूमिका में नजर आने वाले राजेश खुललर नए बने मुख्यमंत्री नायब सैनी के लिए भी 13 मार्च 2024 के बाद से भी चाणक्य की भूमिका में रहे। राजनेताओं के साथ-साथ मुख्यमंत्री के विश्वस्त होने से लोगों को प्रशासनिक कार्य किये जाने के लिए अपेक्षाएं की कसौटी पर यह खरे उतरे चुके हैं । मनोहर सरकार के प्रधान सचिव के रूप में-अत्तीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की भरोसेमंद टीम में सबसे विश्वासपात्र हरियाणा सरकार में राजेश खुल्लर अब नायब सैनी के सी एम ओ के सभी कार्यों,सभी चैयरमैनो, विधायकों व मंत्रियो को बखूबी पूरा मान-सम्मान देने व प्रशाशनिक कार्यो में दक्षता का उनका अंदाज उनकी बेहतरीन कार्यशैली का हिस्सा रहे।कई बार विकट स्थितयों में उनके द्वारा लिए गए निर्णयों से सरकार को भारी लाभ मिला है। हरियाणा में सत्ता व विपक्ष के अधिकांश विधायक यह मानते हैं कि राजेश खुल्लर में यह खूबी है कि वह किसी को निराश नहीं भेजते हैं। राजेश खुल्लर पर्दे के पीछे रहकर अपनी वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार कर्तव्य परायणता से अपने दायित्व का निर्वाह करते रहे हैं। राजेश खुल्लर को क्या आने वाले समय में महत्वपूर्ण भूमिका उनकी सेवानिवृत्ति के बाद मिलेगी इसकी चर्चा हर तरफ है। यह भी चर्चा है कि राजेश खुल्लर अपनी काबिलियत की बदौलत हरियाणा के अंदर एक महत्वपूर्ण भूमिका में जल्दी ही पहुंचे हैं।भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजेश खुल्लर ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और चकबंदी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा वित्त आयुक्त के तौर पर कार्यभार करते हुए सेवानिवृत्ति प्राप्त की थी। सभी चैयरमैनो, विधायकों व मंत्रियो को बखूबी पूरा मान-सम्मान देने व प्रशाशनिक कार्यो में दक्षता का उनके अंदाज के सभी फैन हैं। राजेश खुल्लर हरियाणा के हर राजैतिक दल का टेंपरामेंट बेखूबी जाते हैं।मिशन 2024 में भाजपा की अकेले अपने दम पर वापसी की कुशल राजनीति जो भले ही दिल्ली भाजपा आलाकमान के माध्यम से जनता में आई।मगर उस कुशल राजनीति की रिसर्च व उनके परिणामों को सार्थकता प्रदान करने में राजेश खुल्लर की अहम भूमिका रही।जिस प्रकार से मुख्य प्रधान सचिव पद पर सेवानिवृत्त राजेश खुल्लर की नियुक्ति पूर्व मनोहरलाल सरकार में हुई। उससे स्पष्ट लग रहा है था कि राजेश खुल्लर को चाणक्य की भूमिका निभानी पड़ेगी। राजेश खुल्लर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अत्यंत करीबी व निकटतम आईएएस अधिकारियों में से एक अधिकारी रहे।राजेश खुल्लर ने 1984 में पंजाब विश्वविद्यालय से फिजिक्स में मास्टर डिग्री हासिल की थी।खुल्लर हरियाणा और केंद्र सरकार ने कई अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं. राजेश खुल्लर केंद्रीय वित्त मंत्रालय में भी कार्य कर चुके हैं. राजेश खुल्लर गुरुग्राम और फरीदाबाद के मुंसिपल कमिश्नर भी रह चुके हैं और इसके साथ ही रोहतक और सोनीपत के डिप्टी कमिश्नर भी रह चुके हैं। इससे पहले उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रधान सचिव के रूप में लगभग पांच वर्ष तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के चलते वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। राजेश खुल्लर अमेरिका विश्व बैंक से वापसी के बाद हरियाणा शिक्षा विभाग तथा हरियाणा लोक संपर्क विभाग के एससीएस के अलावा ड्रफ सी आर भी रहे। राजेश खुल्लर का सितंबर 2020 में तीन साल की अवधि के लिए विश्व बैंक के वाशिंगटन डीसी कार्यालय में कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्ति का शानदार करियर रहा। हरियाणा में सत्ता व विपक्ष के अधिकांश विधायक यह मानते हैं कि राजेश खुल्लर में यह खूबी है कि वह किसी को निराश नहीं भेजते हैं। राजेश खुल्लर अपनी वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार कर्तव्य परायणता से अपने दायित्व का निर्वाह करते रहे हैं।

शेफाली वर्माकी आईसीसी टी20आई रैंकिंग में बड़ी छलांग, टॉप-6 में हुई एंट्री

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मंगलवार को आईसीसी द्वारा जारी नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है, क्योंकि वह छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद, दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर छठा स्थान हासिल किया है।

21 वर्षीय वर्मा श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। चार मैचों में, भारतीय सलामी बल्लेबाज ने 118 के आश्चर्यजनक औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। वर्मा इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी साथी खिलाड़ी और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष भी सात पायदान ऊपर चढ़कर अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर पहुंच गईं। यह उपलब्धि उन्होंने तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेली गई नाबाद 40 रन की पारी के बाद हासिल की।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी 794 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज 774 रेटिंग अंकों के साथ उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन का आंकड़ा पार किया, 767 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और स्पिनर श्री चरानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए, आठ पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच गईं। श्रीलंका के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में चार विकेट लेने वाली बाएं हाथ की स्पिनर चरानी गेंदबाजी रैंकिंग में 17 पायदान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 738 की रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा, अनुभवी ऑलराउंडर को महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पांचवें टी20 मैच में एक और विकेट की जरूरत है। फिलहाल, दीप्ति के नाम 151 विकेट हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के 151 विकेट के बराबर हैं।

टेनिस जगत के नए 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस ने सबालेंका को हराया

दुबई (एजेंसी)। निक किर्गियोस ने टेनिस में 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' यानी दो अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 6-3 से हराया। यह एक प्रदर्शनी मैच था जिसे लैंगिक समानता के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण के बजाय हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए याद किया जाएगा।

दोनों खिलाड़ी आपस में हंसी ठिठोली कर रहे थे। इस दौरान कुछ अंडर आर्म सर्विस भी देखने को मिली। यहां तक कि दुबई के 17,000 सीटों वाले कोकाकोला एरीना में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टाइमआउट के दौरान सबालेंका का नृत्य भी देखने को मिला। इस मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके।

विंबलडन 2022 के उपविजेता किर्गियोस ने कलाई और घुटने की चोटों के कारण पिछले तीन वर्षों में केवल छह टूर-स्तरीय मैच खेले लेकिन वह कई बार अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हुए दिखाई दिए। उन्हें सबालेंका के कोर्ट के हिस्से के लगभग 10 प्रतिशत छोटे होने का नुकसान उठाना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। खिलाड़ियों को प्रत्येक प्वाइंट के लिए दो के बजाय केवल एक सर्विस करने का मौका दिया गया था। जब किर्गियोस ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की तब तक वह पसीने से भीग चुके थे और दोनों खिलाड़ी नेट पर गले मिलते समय मुस्कुरा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी किर्गियोस ने मैच के बाद कहा, 'मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेनिस के खेल के लिए एक शानदार कदम है।'

सबालेंका ने कहा, 'यह मैच अगले सत्र के लिए अच्छी तैयारी है। मुझे इसमें बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि अगली बार जब मैं उनके खिलाफ खेलूंगी तो मुझे उनकी रणनीति, उनकी ताकत और उनकी कमजोरियों के बारे में पता होगा और यह निश्चित रूप से एक बेहतर मुकाबला होगा।' तथाकथित 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' नाम 1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुए मैच से लिया गया था। किंग ने ह्यूस्टन एस्ट्रोडोम में खेले गए उस मुकाबले को सीधे सेटों में जीता था।

पीसीबी ने अजहर महमूद से समय से पहले किया करार खत्म

– पाकिस्तान टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला कर लिया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन बोर्ड ने उससे पहले ही यह अहम कदम उठा लिया। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान की टेस्ट टीम अपना अगला मुकाबला भी मार्च 2026 में ही खेलने वाली है, ऐसे में पीसीबी का यह फैसला कई सवाल खड़े करता है।

पीसीबी से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, बोर्ड भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेना चाहता है। सूत्र ने बताया कि अजहर महमूद का अनुबंध भले ही मार्च 2026 में खत्म होना था, लेकिन पाकिस्तान के आगामी टेस्ट दौरे भी उसी समय से शुरू होंगे। ऐसे में बोर्ड पहले से नए मुख्य कोच की तलाश शुरू कर देना चाहता है, ताकि आगे की तैयारियों में किसी तरह की जल्दबाजी न करनी पड़े। अजहर महमूद को दो साल के करार पर नियुक्त किया गया था और उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी।

सूत्रों का यह भी कहना है कि पीसीबी केवल मुख्य कोच ही नहीं, बल्कि टेस्ट टीम के सहायक कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव कर सकता है। बोर्ड चाहता है कि नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र से पहले टीम का पूरा ढांचा स्पष्ट और स्थिर हो। पाकिस्तान का अगला टेस्ट अभियान आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत मार्च 2026 में बांग्लादेश के दौरे से शुरू होगा। इसके बाद टीम जुलाई में वेस्टइंडीज और अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड का दौरा करेगी। आगे चलकर पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर 2026 में श्रीलंका और मार्च 2027 में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जो टीम के लिए बेहद अहम सीरीज होंगी। 50 वर्षीय अजहर महमूद का अंतरराष्ट्रीय करियर काफी अनुभवपूर्ण रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उनके नाम 900 रन और 39 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने 143 वनडे मैचों में 1521 रन बनाए और 123 विकेट हासिल किए। अजहर को इससे पहले आकिब जावेद की जगह राष्ट्रीय टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था। अब उनके अचानक हटाए जाने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि पीसीबी किस अनुभवी नाम पर भरोसा जताता है और क्या यह बदलाव पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट की दिशा बदल पाएगा।

अश्विन ने वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा को बताया साल का असली सितारा

– मिलाजुला रहा भारत का 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया ने साल की शुरुआत शानदार अंदाज में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर की और इसके बाद एशिया कप पर भी कब्जा जमाया। टी20 फॉर्मेट में भारत का दबदबा कायम रहा और टीम पूरे साल कोई भी टी20 सीरीज नहीं हारी। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की हार ने फैंस को निराश किया, जबकि इंग्लैंड दौरे पर भारत ने कड़ी मेहनत के बाद टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। इस पूरे साल के प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दो ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन्होंने 2025 में अपनी शानदार खेल से सबका ध्यान खींचा।

अश्विन ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 2025 का भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया। अपने यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा कि वरुण हर बार टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हुए हैं। जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने विकेट निकालकर मैच का रुख बदला। अश्विन के मुताबिक, विपक्षी बल्लेबाजों के लिए वरुण को पढ़ पाना बेहद मुश्किल रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की संभावनाओं के लिहाज से वरुण चक्रवर्ती की भूमिका बेहद अहम होने वाली है। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं, क्योंकि वरुण ने चार वनडे मैचों में 10 विकेट और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लेकर खुद को व्हाइट-बॉल क्रिकेट का भरोसेमंद गेंदबाज साबित किया है।

अश्विन ने बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा की भी जमकर सराहना की। उन्होंने अभिषेक को भारत की अगली पीढ़ी का एक्स-फैक्टर खिलाड़ी बताया। अश्विन का मानना है कि 2025 में अगर किसी एक खिलाड़ी ने भारत के लिए सबसे ज्यादा प्रभावित किया है तो वह अभिषेक शर्मा हैं। लेफ्ट-हैंड ओपनर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 मैचों में 42.95 की औसत और करीब 193 के स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को कई मुकाबलों में मजबूत शुरुआत दिलाई।

साल 2025 में एक दौर ऐसा भी आया जब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के करियर को लेकर सवाल उठने लगे थे। दोनों ही खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन साल के अंत तक उन्होंने दिखा दिया कि वनडे क्रिकेट में उनके पास अभी भी बहुत कुछ देने के लिए बाकी है। अश्विन ने कहा कि रोहित और विराट दोनों के भीतर 50 ओवर का वर्ल्ड कप जीतने की जबरदस्त भूख है और वे 2027 वर्ल्ड कप को लक्ष्य बनाकर पूरी मेहनत कर रहे हैं। उनके मुताबिक, फैंस को इन दिग्गजों के हर मैच का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई दौरों को नई पहचान दी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बुमराह, पंड्या को आराम दे सकता है भारत

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जनवरी की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं। इसमें फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को जगह दी जाएगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय मुकाबले बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेंगी, जो फरवरी 2026 में होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए अभ्यास को देखते हुए बेहद अहम रहेगी।

गावस्कर ने आईसीसी की पिच रेटिंग प्रणाली पर सवाल उठाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पिच रेटिंग प्रणाली पर निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा कि एशेज में मैच दो से तीन दिन में खत्म हो रहे हैं पर पिचों को लेकर आईसीसी ने कोई सख्त प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं जब ऐसा भारत या अन्य एशियाई देशों में होता है तो पिचों को खराब करार दे दिया जाता है। गावस्कर ने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट दो दिन में ही समाप्त हो गया था। इसमें पहले ही दिन कुल 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट के पहले दिन गिरे विकेटों के हिसाब से सबसे अधिक था। वहीं दूसरे दिन भी 16 और विकेट गिरे, जिसके बाद मुकाबला दो दिन भी नहीं चल पाया। इसके बाद भी आईसीसी ने पिच को खराब नहीं बताया। गावस्कर ने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का भी मामल उठाया और कहा कि उसमें भी मैच दो दिन के अंदर समाप्त हो गया था। तब भी आईसीसी ने कोई नकारात्मक प्रतिक्रिय नहीं दी। गावस्कर ने मैच रेफरी पर भी सवाल उठाये और कहा कि पर्थ टेस्ट में रंजन मदुगले के रहते पिच को काफी अच्छा कहा गया, जबकि मेलबर्न टेस्ट में नए मैच रेफरी जेफ क्रो होने के कारण उसी तरह की पिच को केवल अच्छा कहा गया जबकि दोनो ही मैच दो दिन ही चले। गावस्कर ने कहा कि दूसरी ओर अगर ऐसा ही कुछ भारतीय पिचों पर होता है तो क्यूरेटरों पर सवाल उठाये जाते हैं। गावस्कर ने कहा कि पर्थ और मेलबर्न की पिचों को कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी खराब बताया था फिर भी आईसीसी ने कोई कठोर प्रतिक्रिया नहीं दी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सेमीफाइनलिस्ट टीमों को लेकर हरभजन सिंह की भविष्यवाणी

– कहा पाकिस्तान बाहर तो अफगानिस्तान अंतिम चार में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन में अभी समय बाकी है, लेकिन उससे पहले ही पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर दी है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस 20 टीमों के टूर्नामेंट को लेकर भज्जी ने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट टीमों के नाम बताए हैं। खास बात यह है कि उनकी सूची में डिफेंडिंग चैंपियन भारत के साथ एक ऐसी टीम भी शामिल है, जिसने सबको चौंका दिया है। हरभजन ने पाकिस्तान को बाहर रखते हुए अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीमों में चुना है।

हरभजन सिंह की इस भविष्यवाणी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान को सेमीफाइनलिस्ट बताया गया है। पाकिस्तान को बाहर करने और अफगानिस्तान को आगे रखने का फैसला कई लोगों को हैरान कर सकता है, क्योंकि आईसीसी टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान सातवें जबकि अफगानिस्तान दसवें स्थान पर है। हालांकि, हाल के वर्षों में अफगानिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में अपने प्रदर्शन से यह साबित किया है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में किसी भी बड़ी टीम को चुनौती दे सकता है। मजबूत स्पिन अटैक और निडर क्रिकेट उसकी पहचान बन चुकी है।

एक मीडिया से बातचीत में हरभजन सिंह ने भारत को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास टी20 वर्ल्ड कप जीतने का शानदार मौका है, क्योंकि वह घरेलू परिस्थितियों में खेलेगी और बाकी टीमों की तुलना में हालात को बेहतर तरीके से समझती है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्ल्ड कप का दबाव हमेशा एक अलग चुनौती होता है और इसे संभालना सबसे अहम पहलू होगा। अगर भारतीय टीम इस दबाव को सही ढंग से झेल लेती है, तो उसका खिताब जीतना पूरी तरह संभव है।

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना पहला टी20 खिताब जीता था, जबकि भारत 2007 और 2024 में दो बार चैंपियन बन चुका है। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान अभी भी अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में हैं। साउथ अफ्रीका ने 2024 में पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हरभजन सिंह ने 2026 वर्ल्ड कप के लिए भारत के कुछ अहम खिलाड़ियों का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक अभिषेक शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह इस टूर्नामेंट में भारत की सफलता की कुंजी होंगे। अभिषेक शर्मा के लिए यह पहला टी20 वर्ल्ड कप होगा, जबकि बाकी चार खिलाड़ी 2024 में भारत को चैंपियन बनाने में निर्णायक भूमिका निभा चुके हैं।

एशले गार्डनर का भरोसा, खिताब न होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एशले गार्डनर का मानना है कि भले ही उनकी टीम इस समय टी20 या वनडे फॉर्मेट की मौजूदा चैंपियन न हो, लेकिन इसके बावजूद ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनी हुई है। गार्डनर ने कहा कि हाल के आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली हार ने टीम पर एक ऐसा दबाव डाला है, जिसकी उसे आदत नहीं रही, लेकिन यही दबाव उन्हें और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि फरवरी में जब ऑस्ट्रेलिया घरेलू धरती पर भारत की मेजबानी करेगा, तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गार्डनर ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा कि पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपेक्षा से ज्यादा दबाव झेलना पड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टी20 और वनडे विश्व कप में मिली हार आसान नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद उनका भरोसा अपनी टीम की ताकत पर कायम है। गार्डनर के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया अब भी ऐसी टीम है जो किसी भी हालात में मुकाबला पलटने की क्षमता रखती है और यही उसे बाकी टीमों से अलग बनाती है। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी और मार्च में भारत की मेजबानी करेगा, जहां दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच की सीरीज खेली जाएगी। गार्डनर ने कहा कि भारत इस दौरे पर पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगा और ऐसा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि हाल के समय में भारतीय टीम ने बेहतरीन क्रिकेट खेली है। उन्होंने याद दिलाया कि विश्व कप से पहले की वनडे सीरीज में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दी थी और फिर विश्व कप के सेमीफाइनल में भी भारत का पलड़ा भारी रहा था। गार्डनर ने माना कि घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को किसी भी तरह से कमतर आंकना बड़ी भूल होगी। उनके अनुसार, भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई हालात को तेजी से समझने की कोशिश कर रही है, जबकि मेजबान टीम इन परिस्थितियों से बेहतर वाकिफ है। ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पिछले 12 से 18 महीनों में ऑस्ट्रेलिया ने केवल दो मैच गंवाए हैं और दोनों ही सेमीफाइनल थे। गार्डनर के मुताबिक, यह आंकड़ा टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है। हालांकि, 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार अभी भी टीम के लिए एक सबक है, जिससे सीख लेकर ऑस्ट्रेलिया आगे और मजबूत होकर लौटना चाहता है।

विजय हजारे ट्रॉफी में अमन खान का महंगा स्पेल बना चर्चा का विषय, सीएसके की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीमों में शुमार चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे में उस समय हलचल मच गई, जब विजय हजारे ट्रॉफी से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई। पुडुचेरी के कप्तान अमन खान ने झारखंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे कोई भी गेंदबाज अपने नाम नहीं करना चाहेगा। 29 दिसंबर को खेले गए इस लिस्ट ए मैच में अमन खान ने अपने पूरे दस ओवर के स्पेल में 123 रन लुटा दिए, जो लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल साबित हुआ। अमन खान को आईपीएल 2026 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 40 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले वह कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में उनके इस प्रदर्शन ने सीएसके मैनेजमेंट और फैंस दोनों को चिंता में डाल दिया है। विजय हजारे ट्रॉफी के इस मुकाबले में अमन ने न सिर्फ जमकर रन दिए, बल्कि दस ओवर पूरे करने के बावजूद सिर्फ एक ही विकेट हासिल कर सके। उन्होंने दो वाइड भी फेंकी, जिससे उनका स्पेल और ज्यादा महंगा नजर आया।

रोको का टेस्ट से संन्यास स्वाभाविक नहीं, उथप्पा के बयान से फिर गरमाई बहस

- संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी नहीं थम रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े सितारे रोहित शर्मा और विराट कोहली भले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों, लेकिन उनके संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी थमे नहीं हैं। टेस्ट से रिटायरमेंट के सात महीने बाद भी यह बहस जारी है कि क्या दोनों दिग्गजों ने अपनी मर्जी से यह फैसला लिया था या परिस्थितियों ने उन्हें इसके लिए मजबूर कर दिया। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के बयान ने इस चर्चा को एक बार फिर हवा दे दी है। उथप्पा का मानना है कि विराट और रोहित का टेस्ट क्रिकेट से जाना किसी भी तरह से 'नेचुरल एग्जिट' यानी स्वाभाविक विदाई नहीं लगता। मई महीने में आईपीएल 2025 के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कुछ ही दिनों के अंतराल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। सबसे पहले रोहित शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी थी। यह घोषणा ऐसे समय पर सामने आई थी, जब खबरें आ रही थीं कि इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई के चयनकर्ता उन्हें टेस्ट कप्तानी से हटाने पर विचार कर रहे हैं। फैंस अभी रोहित के संन्यास के कारणों को समझने की कोशिश कर ही रहे थे कि विराट कोहली ने भी टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान कर सभी को हैरान कर दिया।

विराट कोहली का फैसला इसलिए भी ज्यादा चौंकाने वाला माना गया क्योंकि वह इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में जुटे हुए थे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शतक जड़ने के बाद उनका आत्मविश्वास ऊंचाई पर था और माना जा रहा था कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में वह एक बार फिर बड़ी पारियां खेलना चाहते हैं। दिल्ली के रणजी कोच सरनदीप सिंह ने भी दावा किया था कि कोहली इंग्लैंड दौरे को लेकर बेहद उत्साहित थे और पूरी तैयारी कर रहे थे। रॉबिन उथप्पा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह फैसला किसी भी तरह से स्वाभाविक नहीं लगता। उथप्पा के मुताबिक, यह कहना मुश्किल है कि दोनों पर किसी तरह का दबाव था या नहीं, लेकिन यह साफ है कि यह 'नेचुरल एग्जिट' नहीं था। उनका मानना है कि असली सच्चाई तभी सामने आएगी, जब विराट और रोहित खुद सही समय पर इसे साझा करने का फैसला करेंगे।

उथप्पा ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब उन्हें लगा था कि रोहित को कुछ समय

का ब्रेक लेकर फिटनेस और मानसिक मजबूती पर काम करना चाहिए। उनके अनुसार, विराट और रोहित दोनों की आंखों में आज भी रन बनाने की भूख साफ नजर आती है। यही वजह है कि उनके अचानक लिए गए इस फैसले को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है और यह बहस शायद तब तक चलती रहेगी, जब तक दोनों दिग्गज खुद अपनी चुप्पी नहीं तोड़ते।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का क्रेज शिखर पर, 15 करोड़ से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट से बना रिकॉर्ड

जेनेवा। फीफा ने सोमवार को बताया कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक 15 करोड़ से अधिक टिकट रिक्वेस्ट मिल चुकी हैं। यह आंकड़ा वर्ल्ड कप टिकटिंग के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जबकि रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ का मौजूदा चरण अभी आधा ही पूरा हुआ है।

200 से ज्यादा देशों से फैंस की बाढ़- फीफा के अनुसार, 11 दिसंबर को रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ टिकटिंग फेज शुरू होने के बाद से 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फैंस ने fifa.com/tickets प्लेटफॉर्म पर भारी संख्या में आवेदन किए हैं। यह चरण 13 जनवरी 2026 को समाप्त होगा।

30 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्रिप्शन- फीफा ने बताया कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए हर टिकट आवेदन के साथ सबमिट किए गए वेरिफाइड व्यक्तिगत क्रेडिट कार्ड नंबरों के आधार पर 30 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग 1930 से अब तक खेले गए सभी 22 वर्ल्ड कप संस्करणों के 964 मैचों में मौजूद कुल दर्शकों की संख्या से 3.4 गुना अधिक है।

इन्फेंटिनो बोले—दुनिया का सबसे बड़ा और समावेशी शो-

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'फीफा वर्ल्ड कप 2026 दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे अधिक समावेशी आयोजन होगा। फैंस की यह जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि हमारा खेल दुनिया भर में कितना लोकप्रिय है। उत्तरी अमेरिका में हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जहां एकता और बेहतरीन फुटबॉल के जश्न में पूरी दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक साथ आएगी।'

तीन देशों में होगा आयोजन, 48 टीमें लेंगी हिस्सा- फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून को होगा। यह टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के 16 शहरों में आयोजित किया जाएगा। 48 टीमें, कुल 104 मैच, फाइनल- 19 जुलाई।

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा, धैर्य और विश्वास के बल पर मस्ती 4 में बनाई जगह

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनने तक श्रेया शर्मा का सफ़र किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। हरियाणा के एक मेडिकल परिवार से निकलकर उन्होंने अपने सुरक्षित करियर को छोड़ अभिनय के सपने को चुना। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के मुंबई आकर श्रेया शर्मा ने संघर्ष, ऑडिशन और अस्वीकृतियों का सामना किया। मेहनत, धैर्य और अपने सपनों पर अटूट विश्वास के बल पर उन्होंने मस्ती 4 जैसी बड़ी फिल्म में अपनी जगह बनाई।

कितने ऑडिशन दिए और किसी प्रोजेक्ट को करने से पहले कितनी बार रिजेक्ट हुईं?
जब मैं पहली बार मुंबई पहुंची, तो सबसे बड़ी दिक्कत ये थी कि आखिर रहूं कहां। घर ढूंढने में ही एक महीना लग गया। फिर तीन महीने बाद मैंने काम की तलाश शुरू की। मेरा मेडिकल बैकग्राउंड था, इसलिए इंडस्ट्री के बारे में उतना आइडिया नहीं था। मैंने एक लिस्ट बना ली थी कि इंडस्ट्री में किन-किन लोगों से मुझे मिलना है। मैंने अपना एक अच्छा-सा पोर्टफोलियो भी तैयार किया, ताकि ये दिखा सकूं कि मैं किस तरह के काम करना चाहती हूं। मैंने काफी सारे वर्कशॉप्स भी किए हैं। मैं एक वुमन आर्मी हूं और इंडस्ट्री में मैंने थोड़ा लेट कदम रखा है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है और वो मुकाम मैं जरूर हासिल करूंगी।

मस्ती 4 फिल्म कैसे मिली आपको? कितना पापड़ बेलना पड़ा इस फिल्म को हासिल करने के लिए?
मैंने एक फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। उस फिल्म के बाद मैं एक प्रोड्यूसर के ज़रिए मिलान मिलाप जावेरी सर से मिली। उस वक्त मस्ती 4 के ऑडिशन चल रहे थे। मैंने अपनी फिल्म के किरदार 'आंचल' नाम की लड़की के लिए ऑडिशन दिया। जब मिलाप सर मुझे उस किरदार के बारे में बता रहे थे कि वो लड़की अपने हसबैंड का फोन चेक करती है, लोकेशन मंगवाती है, तो मैंने उनसे कहा कि सर, मैं तो रियल लाइफ में भी ऐसी ही हूं। ऑडिशन देने के बाद मैंने बहुत लंबा इंतज़ार किया और डेली कॉल करके पूछा करती थी। मैं किसी भी हाल में ये फिल्म करना चाहती थी, क्योंकि इसी फिल्म से मुझे इंडस्ट्री में ब्रेक मिलता। और कौन नहीं चाहता है आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे एक्टर्स के अपोजिट काम करना, मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी ऑपर्च्युनिटी थी।

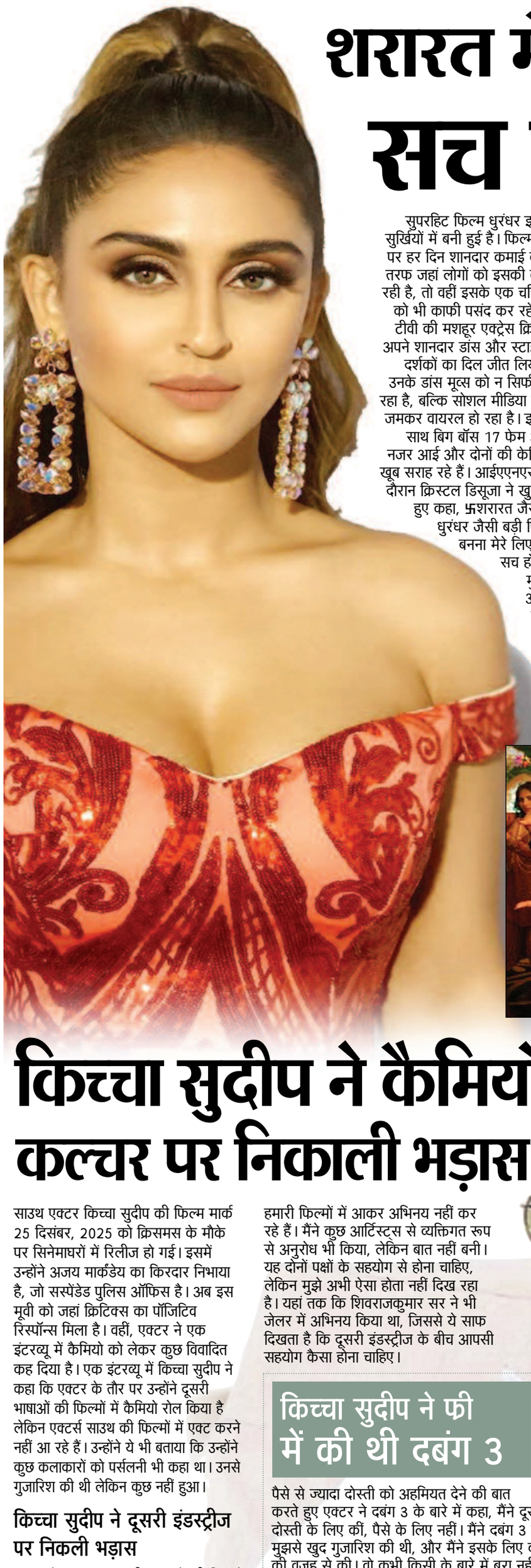

शरारत मेरे लिए सपने सच होने जैसा

सुपरहिट फिल्म धुरंधर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन शानदार कमाई कर रही है। एक तरफ जहां लोगों को इसकी कहानी पसंद आ रही है, तो वहीं इसके एक चर्चित गाने शरारत को भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने अपने शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया है। शरारत में उनके डांस मूव्स को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह गाना जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में उनके साथ बिग बॉस 17 फेम आयशा खान भी नजर आई और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब सराह रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान क्रिस्टल डिसूजा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''शरारत जैसे गाने के जरिए धुरंधर जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मुझे इस गाने का ऑफर मिला, तब मेरे लिए गाने से ज्यादा फिल्म की स्टारकास्ट मायने रखती थीं, क्योंकि इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। ऐसे बड़े नामों के साथ जुड़ना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

क्रिस्टल ने बताया, जब मैंने गाने की शूटिंग शुरू की, तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था कि शरारत गाने को कितना फुटेज मिलेगा, कितनी स्क्रीन टाइम होगी, या यह गाना कितना पॉपुलर होगा। मैंने बिना किसी उम्मीद के इस प्रोजेक्ट को हां किया था, क्योंकि मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी। आज जब यह गाना दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है, तो यह देखकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग महज तीन दिनों में पूरी की गई थी, लेकिन मेहनत और एनर्जी पूरी टीम ने भरपूर लगाई।

जब उनसे कोरियोग्राफर विजय गांगुली के एक इंटरव्यू के बयान को लेकर पूछा गया, जिसमें उन्होंने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का दिया था, तो इस सवाल पर क्रिस्टल ने बेहद सादगी के साथ जवाब देते हुए कहा, तमन्ना बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं और उनका अंदाज सबसे अलग है। लेकिन मेरा मानना है कि जो चीज आपकी किस्मत में होती है, वही आपको मिलती है। यह गाना मेरी और आयशा खान की किस्मत में लिखा था और इसलिए यह हमें मिला।

सलमान की फिल्म से क्लैश नहीं करेगी आलिया की फिल्म, अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

आलिया भट्ट और सलमान खान की फिल्मों के बीच होने वाली बॉक्स ऑफिस टक्कर अब नहीं होगी। यह टक्कर अगले साल अप्रैल के महीने में होने वाली थी। आलिया की आने वाली फिल्म अल्फा की रिलीज तारीख बदल दी गई है। यह फिल्म पहले 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। अब मेकर्स नई रिलीज तारीख जल्द बताएंगे। इस फैसले की जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर दी। उन्होंने लिखा कि यह फैसला सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से सीधी टक्कर से बचने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स अब थिएटर कैलेंडर देखकर नई तारीख तय करेगा। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पहले 2 अप्रैल 2026 की तारीख तय थी, लेकिन अब उस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। आने वाले कुछ महीनों में नई रिलीज तारीख का ऐलान होगा। यह दूसरी बार है जब अल्फा की रिलीज टली है। इससे पहले यह फिल्म क्रिसमस 2025 पर रिलीज होनी थी। बाद में पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए ज्यादा समय देने के चलते इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी और बॉबी देओल अहम रोल में हैं। हाल ही में फिल्म वार 2 के पोस्ट क्रेडिट सीन में अल्फा से जुड़ा एक सीन दिखाया गया था। उस सीन में बॉबी देओल की एंट्री दिखाई गई। सीन में वह एक लड़की के हाथ पर एजेंसी का लोगो लगाते हैं। लड़की पूछती है कि इसका क्या मतलब है। वह जवाब देते हैं कि अल्फा ग्रीक अल्फाबेट का पहला अक्षर है। यह उनके प्रोग्राम का मोटो है। इसका मतलब है, सबसे पहला, सबसे तेज और सबसे मजबूत।

बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगे सलमान

वहीं सलमान खान स्टारर बैटल ऑफ गलवान की बात करें, तो इसे अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है, जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी।

किच्चा सुदीप ने कैमियो कल्चर पर निकाली भड़ास

साउथ एक्टर किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क 25 दिसंबर, 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसमें उन्होंने अजय मार्कंडेय का किरदार निभाया है, जो सस्पेंडेड पुलिस ऑफिस है। अब इस मूवी को जहां क्रिटिक्स का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, एक्टर ने एक इंटरव्यू में कैमियो को लेकर कुछ विवादित कह दिया है। एक इंटरव्यू में किच्चा सुदीप ने कहा कि एक्टर के तौर पर उन्होंने दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल किया है लेकिन एक्टर्स साउथ की फिल्मों में एक्ट करने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने कुछ कलाकारों को पर्सलनी भी कहा था। उनसे गुजारिश की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

किच्चा सुदीप ने दूसरी इंडस्ट्रीज पर निकली भड़ास

एक्टर ने कहा, हम दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में आकर अभिनय नहीं कर रहे हैं। मैंने कुछ आर्टिस्ट्स से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध भी किया, लेकिन बात नहीं बनी। यह दोनों पक्षों के सहयोग से होना चाहिए, लेकिन मुझे अभी ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यहां तक कि शिवराजकुमार सर ने भी जेलर में अभिनय किया था, जिससे ये साफ दिखता है कि दूसरी इंडस्ट्रीज के बीच आपसी सहयोग कैसा होना चाहिए।

किच्चा सुदीप ने फी में की थी दबंग 3

पैसे से ज्यादा दोस्ती को अहमियत देने की बात करते हुए एक्टर ने दबंग 3 के बारे में कहा, मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं, पैसे के लिए नहीं। मैंने दबंग 3 में इसलिए काम किया क्योंकि सलमान भाई ने मुझसे खुद गुजारिश की थी, और मैंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली। मैंने पुली भी थलपति विजय की वजह से की। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलते, और मुझे ये बात अच्छी लगती है। लेकिन नानी की स्क्रिप्ट ऐसी थी, जिसने मुझे सच में इम्प्रेस किया।

नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं

बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह ने बातचीत के दौरान अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को-स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई-भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर कीं।

नागिन इतनी बड़ी फ्रैंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई?
कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रैंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले।

फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी?
पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी-कभी नेवर कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप-बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।

बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?
बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर-सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ-स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?
अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है।

बिग बॉस से भी बहुत कुछ सीखा होगा आपने?
हां, बहुत कुछ सीखा। उस शो ने 3 महीनों में जितना सिखाया, वैसा शायद कहीं और न मिले। वहां सिचुएशन, लोगों और स्ट्रेस को मैनेज करना सीख जाते हो। बाहर आते वक्त इतना कॉन्फिडेंट हो जाते हो कि एक शील्ड लग जाती है। अब फर्क नहीं पड़ता। पहले जो चीजें अफेक्ट करती थीं, रुलाती थीं, अब वो कुछ नहीं करतीं।

वीकेंड पर आपके दो शोज बैक-टू-बैक आ रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स तो कमाल चल रहा है, और नागिन की जोड़ी भी। ये एक्सपीरियंस कैसा रहा? कभी सोचा था कि प्राइम टाइम पर ऐसा होगा?
भगवान ने सपनों से कहीं ज्यादा दिया है। इसके लिए हमेशा आभारी हूं। लाफ्टर शेफ्स को इतना प्यार मिला, नागिन को भी मिलेगा। शनिवार-रविवार 8 से 9 बजे नागिन में मिलूंगी, 9 से 10 बजे लास्ट शेफ्स में।

आपकी लॉयल्टी कमाल की है, पुराने को-स्टार्स के साथ बार-बार काम करते रहते हो?
अविनाश के साथ मेरी जोड़ी इतनी जबरदस्त है कि जब तक बाल नोचते नहीं, दुनिया हमें अलग नहीं कर सकती। शायद लास्ट शेफ्स के आखिरी शॉट्स में ही बाल नोचने वाले होंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।